



भारत का राजपत्र The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-अ.-30102020-222839
CG-DL-E-30102020-222839

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 3420]

नई दिल्ली, बुधवार, अक्टूबर 28, 2020/ कार्तिक 6, 1942

No. 3420]

NEW DELHI, WEDNESDAY, OCTOBER 28, 2020/ KARTIKA 6, 1942

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर, 2020

का.आ. 3874(अ).—अधिसूचना का निम्नलिखित प्रारूप, जिसे केन्द्रीय सरकार, पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 (1986 का 29) की धारा 3 की उपधारा (2) के खंड (v) और खंड (xiv) तथा उपधारा (3) के साथ पठित उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, जारी करने का प्रस्ताव करती है को, पर्यावरण (संरक्षण) नियमावली 1986 के नियम 5 के उपनियम (3) की अपेक्षानुसार, जनसाधारण की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है, और यह सूचित किया जाता है कि उक्त प्रारूप अधिसूचना पर, उस तारीख से, जिसको इस अधिसूचना को अंतर्विष्ट करने वाले भारत के राजपत्र की प्रतियां जनसाधारण को उपलब्ध करा दी जाती हैं, साठ दिन की अवधि की समाप्ति पर या उसके पश्चात् विचार किया जाएगा;

ऐसा कोई व्यक्ति, जो प्रारूप अधिसूचना में अंतर्विष्ट प्रस्तावों के संबंध में कोई आपत्ति या सुझाव देने का इच्छुक है, वह विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर, केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार किए जाने के लिए अपनी आपत्ति या सुझाव सचिव, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, इंदिरा पर्यावरण भवन, जोर बाग रोड, अलीगंज, नई दिल्ली-110003 को लिखित रूप में या ई-मेल esz-mef@nic.in पर भेज सकता है।

प्रारूप अधिसूचना

और, गालाथिया राष्ट्रीय उद्यान का क्षेत्रफल 110 वर्ग किलोमीटर है और अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूहों के निकोबार जिला में दक्षिण मध्य ग्रेट निकोबार द्वीप में स्थित है;

और, गालाथिया राष्ट्रीय उद्यान अधिसूचना सं. जे-22010/14/89-सी एस सी, द्वारा 13 जनवरी, 1989 से बफर जोन के रूप में, संरक्षित वन से घिरा हुआ, ग्रेट निकोबार जीवमंडल रिज़र्व का कोर क्षेत्र है और 2013 में यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर स्थल भी घोषित किया गया था;

और, गालाथिया राष्ट्रीय उद्यान विविध स्थानिक वनस्पति और जीवजंतु का ऐसा वास स्थल है जिसमें तटीय और मैंग्रोव पारिस्थितिकी प्रणाली भी शामिल है। इस क्षेत्र में पारिस्थितिकी, जीवजंतु, वनस्पति, भू-आकृति और मनोरंजनात्मक और अनुसंधान/ शिक्षण संदर्भ का काफी महत्वपूर्ण मूल्य भी है;

और, संरक्षित क्षेत्र की वनस्पति भूमध्यरेखा के निकटतम होने के कारण इसकी उष्णकटिबंधीय आर्द्र जलवायु, क्षेत्र की द्वीपीय प्रकृति, द्वीपों के भौतिक अलगाव और दक्षिण- पश्चिम और उत्तर-पूर्व दोनों मॉनसून के प्रभाव के कारण अद्भुत है जो कि घनत्व वृद्धि और विविध वनस्पति का कवर प्रदान करता है;

और, गालाथिया राष्ट्रीय उद्यान में वनस्पति विश्व में सबसे अच्छे संरक्षित उष्णकटिबंधीय वर्षा वनों में एक है और अपनी भौगोलिक स्थिति और भौतिक अलगाव के कारण उच्च स्तर की स्थानिकता को दर्शाता है। राष्ट्रीय उद्यान के इंडो-चीन और इंडो-मालायन क्षेत्रों से भी घटक हैं। 422 जेनेरा और 142 परिवारों से संबंधित क्षेत्र से वनस्पति की लगभग 648 प्रजातियां रिपोर्ट की गई है, जिसमें से स्थानिक वनस्पति की 48 प्रजातियां और गैर-स्थानिक वनस्पति की 85 प्रजातियां दुर्लभ और लुप्तप्राय है। जिमनोस्पर्मस् 3 जेनेरा और 3 परिवारों से संबंधित 4 प्रजातियों का प्रतिनिधित्व करता है। पेट्रोडोफाइटिक समूह 77 प्रजातियों से युक्त पौधों की विविधता और समृद्धता के अच्छे विस्तार में सहायक है जिसमें आंतरिक वनों के पहाड़ी ढलानों के साथ वनस्पति का मुख्य भाग फर्न वृक्ष से संघटित है;

और, गालाथिया राष्ट्रीय उद्यान ज्वारीय दलदल वन (मैंग्रोव वन), तट वन (समुद्र तट वन), निचला स्तर सदाहरित वन (कोरल रीफ वन), उष्णकटिबंधीय सदाहरित वन (दुरु उष्णकटिबंधीय वन), दक्षिणी पहाड़ी-शिखर सदाहरित वन और फर्न ब्रेक से युक्त है। राष्ट्रीय उद्यान में इयूफोरबियाकिया, रूबियाकिया, अरेकाकिया, आर्किडाकिया और स्यपेराकिया और पोआकिया और अन्नोनाकिया परिवारों के सदस्य उच्च प्रतिनिधित्व दर्शाते हैं। क्षेत्र की वनस्पतियाँ की विशिष्टता इस प्रकार देखी जा सकती है कि मेलास्टोमाटाकिया की जेनेरा ओटेंथेरा और एस्ट्रोनिया, स्क्रोफुलारियाकिया के सराईटड्रोमिया, जेस्तेरियाकिया के साइरटेंड्र, इकाकीनाकिया के स्टेमोनुरुस, ऑर्किडाकिया के अरेकाकिया और स्पाथोगलोटीस से रहोपलोब्लास्टे और कई और प्रजातियां इन क्षेत्रों की स्थानिक प्रजातियां हैं;

और, क्षेत्र में स्थानिक वनस्पति प्रजातियां विद्यमान है जिसमें वृक्ष फर्नों जैसे *सफाईरोप्टेरिस एल्बो-सेताकेया* (*कयथेया एल्बो-सेताकेया*) और *सफाईरोप्टेरिस निकोबारिका* (*कयथेया निकोबारिका*) शामिल हैं। क्षेत्र में अन्य स्थानिक वनस्पति प्रजातियों में *प्रोनेपहरियम नाकाइकेयडम*, *अर्टाबोटाँयस निकोबारिअनुस*, *उवरिया निकोबारिका*, *चिसोचेटोन निकोबारिअनुस*, *निकोबारिओ डेंड्रोसलेयमेरी*, *कोन्नारुस निकोबारिकस*, *ओटांथेरा निकोबारेंसिस*, *ओफिओरहिजा इफुंडिबुलारिस*, *ओफिओरहिजा निकोबारिका*, *जास्मिनुम सयरिंग्गिफोलियम*, *चिलोकार्पुस डेनुडाटुस वार*, *निकोबारिकस*, *गेनिअंथुस होरेइ*, *कयरटांड्रोइमिया निकोबारिका*, *कीरतंद्रा बुरट्टी*, *कीयरतांड्रा ओक्कीडेंटालिस*, *नोथोफोइबे निकोबारिकस*, *क्लेइस्टांथुस बालाकरिसनानि*, *टरोगोनोस्टेमोन विल्लोसुस वार*, *निकोबारिकस*, *एरिडेस इमेरिकी*, *अनोइकटोचिलुस निकोबारिकस*, *डेंड्रोबियम शोम्पेनि*, *हॉर्नस्टेडिया फेंजली*, *फरयनियम पानिकुलातम*, *कलामुस निकोबारिकस*, *रहोपालोबालास्टे औगुस्टाटा*, *अग्लाओनेमा निकोबारिकम*, *होमालोमेना ग्रिफिथी वार*, *ओवाटेपाई* जाती हैं;

और, क्षेत्र के मंग्रोव वनों में उच्च उर्वर पारिस्थितिकी प्रणालियां हैं और कई पारिस्थितिकीय क्रियाएं हैं। क्षेत्र से मंग्रोव की 14 प्रजातियां अर्थात् *रहीजोफोरा अपिकुलाटा*, *बरुगुइरा गयमोरहिजा*, *सोन्नैराटिया कासेओलारिस*, आदि अभिलिखित की गई हैं। क्षेत्र के अन्य महत्वपूर्ण वनस्पति में बेल और कठलता जैसे *डेरिस ट्राइफोलियाटा*, *सारकोलोबुस गलोबोसुस*, *फिनलायसोनिया ओबोवाटा*, इफाइटीक फर्न और ऑकिड अर्थात् *एस्पलेनियम निडुस*, *डेंड्रोबियम क्रुमेनाटम* और *टरिचोगलोट्टिस चिरहिफेरा* शामिल हैं। संरक्षित क्षेत्र में संभावित और आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण प्रजातियां जिसमें *नयपा फरुटिकनस* और *वानिल्ला अंडमानिका* शामिल हैं प्रचुर मात्रा में उगती हैं;

और, संरक्षित क्षेत्र में सिर्फ एक बारहमासी नदी अर्थात् गालाथिया है, जो कि कैम्पबेल खाड़ी राष्ट्रीय उद्यान से आरंभ होती है और गालाथिया राष्ट्रीय उद्यान से होते हुए दक्षिण की ओर बहती है। यह ज्वाइंट लैडर बैंक समुद्री कछुआ (*डेमोचेल्यस कोरिअकेया*), ओलिव रिडले कछुआ (*लेपिडोचेल्यस ओलिवाकेया*), ग्रीन समुद्री कछुआ (*चेलोनिया मायदास*) के लिए महत्वपूर्ण बसेरा स्थल खाड़ियों को बनाता है;

और, गालाथिया राष्ट्रीय उद्यान से जीवजंतु की कुल 330 प्रजातियां अभिलिखित की गई हैं जिसमें स्तनधारियों (3 मरीन स्तनधारी सहित) की 28 प्रजातियां, पक्षियों की 97 प्रजातियां, सरीसृपों की 23 प्रजातियां, उभयचरों की 10 प्रजातियां, तितलियों की 52 प्रजातियां, ऑडोनोट्स की 24 प्रजातियां, मकड़ियों की 20 प्रजातियां और जलीय हेमीप्टेनस की 76 प्रजातियां शामिल हैं;

और, गालाथिया राष्ट्रीय उद्यान वन्यजीव की विशेष विविधता के लिए जाना जाता है, राष्ट्रीय उद्यान से मुख्य संकटापन्न और स्थानिक जीवजंतु निकोबार कैंब ईटिंग मैकाक्यू (*मकाका फस्किकुलारिस उम्बरोसा*), निकोबार वन्यजीव सूअर (*सस स्क्रोफा निकोबारिका*), डुगोंग (*डुगोंग डुगोन*), निकोबार ट्री श्रेव (*तुपाइया निकोबारिका निकोबारिका*), निकोबार फ्लाइंग लोमड़ी (*पटेरोपुस फौनुलुस*), स्पाइनी श्रेव (*करोकिडुरा निकोबारिका*) और निकोबार नोज्ड (*हिप्पोसिडेरोस अटेर निकोबारुलेया*), रेट (*रतुस बुरेस्केन्स*), (*रतुस बुरूस*), (*रतुस पुल्लिवेटेर*), (*रतुस पाल्मारूम*), निकोबार पिपिस्ट्रेल्ले (*पिपिस्ट्रेल्लुस कामोटेंया*), अंडमान वाटर मॉनिटर (*वारानुस सल्वाटोर अंडमानेंसिस*), तिवारी गार्डन लिर्जाड (*कलोटेस डानिइलि*), इस्चूराइन मगरमच्छ (*क्रोकोडिलुस पोरुसस*), अभिलिखित किए गए हैं;

और, क्षेत्र में महत्वपूर्ण स्थानिक पक्षी प्रजातियों में निकोबार बाघ बिटर्न (गोरसाचिउस मेलानोफुस माइनर), निकोबार कोयल डव (*माक्रोपयगिया रुफिपेंसिस रुफिपेन्सिस*), निकोबार इमेराल्ड डव (*चाल्कोफाप्स इंडिका औगुस्टा*), ग्रेट निकोबार क्रेस्टेड सरपेंट ईगल (*स्पिलोरनिस कलोस्सिस*), निकोबार पेराडाइस फ्लाईकैचर (*टेरिसिपोन पेराडाइस निकोबारिका*), अंडमान श्री टोइड किंगफिशर (*केयक्स इरिथाकस माक्रोकूरुस*), निकोबार स्टोकबिल्लेड किंगफिशर (*पेलारगोप्सिस कार्पेंसिस*), निकोबार वाइट-कोल्लारेड किंगफिशर (हलकयोन चलोरिस ओक्किपिटालिस), अंडमान कोयल (*इयडयनामयस स्कूलोपाकेया डोलोसा*), निकोबार मेगापोडे (मेगापोडियस निकोबारिइंसिस), निकोबार हिल मैना (*ग्राकुला रेलिगिओसा हालिबरेकटा*), निकोबार बैंक-नापेड ओरिओले (ओरिओलुस चिनेंसिस माक्रोडूरुस), निकोबार स्कोपस ओवल (*ओटुस स्कोपस निकोबारिकस*), बल्यथस निकोबार पैराकिट (पसिट्टाकुला कानिकेपस), निकोबार रेडचीकड पैराकीट (पसिट्टाकुला लॉंगिकुडा निकोबार), निकोबार कबूतर (*कैलोनियस निकोबारिका निकोबारिका*), निकोबार ग्रीन शाही कबूतर (*इकुला एनेया निकोबारिका*), कटचेल शिकरा (*एकिपिटर बैजियस ऑक्सोलेटस*), निकोबार वाइट आई (*ज़ोस्टरोप्स पाल्पेबरोस अनिकोबारिका*), अंडमान ग्लांसी स्टेयर (*एप्लॉनिस पैनयेन्सिस टाइलरी*), निकोबार ऑलिव बैंकड सनबर्ड (*नेकरिनिया जुगुलारिस कलोस्सिस*), निकोबार यल्लो बैंकड सनबर्ड (*एथोपेगा सिपाराजा निकोबारिका*), अंडमान ग्रे रूम्पेड स्विफ्टलेट (*कोल्लोकालिया फुकिफागा इनेक्पेकटाटा*), वाइट बेल्लीड स्विफ्टलेट (*कोल्लोकालिया इस्कुलेंटा अप्फिनिस*), निकोबार ग्राउंड थ्रश (*ज़ोथेरा सिट्रीन एल्बोगुलरिस*), आदि विद्यमान हैं;

और, गालाथिया राष्ट्रीय उद्यान संवेदनशील जनजाति समूहों, में से एक जनजाति शोम्पेन का वास स्थल है, जो कि शिकार करने और संचयन करने के चरण में है और वन संसाधन पर पूरी तरह से निर्भर है गालाथिया राष्ट्रीय उद्यान

सहित पारिस्थितिकी संवेदी जोन को अंडमान एवं निकोबार (आदिकालीन जनजातियों का संरक्षण) विनियमन, 1956 की धारा 3 के अधीन आदिवासी रिज़र्व के रूप में अधिसूचित किया गया, जिसमें वह अंडमान एवं निकोबार (आदिकालीन जनजातियों का संरक्षण) विनियमन, 1956 और वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की धारा 65 के अधीन वन संसाधनों पर उन्मुक्त अधिकारों का प्रयोग करते हैं;

और, कृषि उद्देश्यों के लिए भूमि के आबंटन और रिज़र्व क्षेत्र के अंतर्गत किसी भी भूमि में किसी भी ब्याज का अधिग्रहण या ऐसी भूमि पर उत्पादित फसलों को अंडमान और निकोबार (आदिकालीन जनजातियों का संरक्षण) विनियमन, 1956 की धारा 4 और धारा 6 के अधीन विनियमित किया जाता है;

और, रिज़र्व क्षेत्र में आदिकालीन जनजाति के किसी व्यक्ति के अलावा या आदिकालीन जनजाति के सदस्यों के अलावा व्यक्तियों की किसी श्रेणी के प्रवेश का विनियमन पूर्वोक्त विनियम की धारा 7 के अधीन किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, बिक्री, विनियम, बंधक, पट्टे या अन्यथा द्वारा आदिकालीन जनजाति के सदस्य के अलावा किसी अन्य व्यक्ति को हस्तांतरण अंडमान एवं निकोबार (आदिकालीन जनजातियों का संरक्षण) विनियमन, 1956 की धारा 5 के अधीन विनियमित किया जाएगा और ग्रेट निकोबार द्वीप की शोम्पेन जाति संबंधी नीति-2015 द्वारा सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक अखंडता, समुदाय की सुरक्षा, सामुदायिक कल्याण को प्रकट करने के साथ साथ प्राकृतिक वास की सुरक्षा निर्देशित होती है;

और, गालाथिया राष्ट्रीय उद्यान के चारों ओर के क्षेत्र को, जिसका विस्तार और सीमाएं इस अधिसूचना के पैराग्राफ 1 में विनिर्दिष्ट हैं, पारिस्थितिकी, पर्यावरणीय और जैव-विविधता की दृष्टि से पारिस्थितिकी संवेदी जोन के रूप में सुरक्षित और संरक्षित करना तथा उक्त पारिस्थितिकी संवेदी जोन में उद्योगों या उद्योगों की श्रेणियों के प्रचालन तथा प्रसंस्करण को प्रतिषिद्ध करना आवश्यक है;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, पर्यावरण (संरक्षण) नियमावली, 1986 के नियम 5 के उपनियम (3) के साथ पठित पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 (1986 का 29) (जिसे इसमें इसके पश्चात् पर्यावरण अधिनियम कहा गया है) की उपधारा (1) तथा धारा 3 की उपधारा (2) खंड (v) और खंड (xiv) एवं उपधारा (3) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केंद्र शासित प्रदेश अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के गालाथिया राष्ट्रीय उद्यान की सीमा के चारों ओर (0) शून्य से एक किलोमीटर तक विस्तारित क्षेत्र को पारिस्थितिकी संवेदी जोन (जिसे इसमें इसके पश्चात् पारिस्थितिकी संवेदी जोन कहा गया है) के रूप में अधिसूचित करती है, जिसका विवरण निम्नानुसार है, अर्थात्:-

1. **पारिस्थितिकी संवेदी जोन का विस्तार और सीमा.**-(1) पारिस्थितिकी संवेदी जोन का विस्तार गालाथिया राष्ट्रीय उद्यान की सीमा के चारों ओर 0 (शून्य) से 1 किलोमीटर तक विस्तृत है और पारिस्थितिकी संवेदी जोन का क्षेत्रफल **14.93 वर्ग किलोमीटर** है। न्यूनतम विस्तार 'शून्य' है क्योंकि ग्रेट निकोबार द्वीप का मुख्य भौगोलिक क्षेत्र संरक्षित क्षेत्र नेटवर्क और जनजातीय रिज़र्व के अंतर्गत इस तरह से कवर किया है कि क्षेत्र के आसपास समग्र विकास के लिए बहुत कम क्षेत्र बचा हुआ है। इसके अतिरिक्त, सूनामी, जल स्तर में वृद्धि जैसी आकस्मिक प्राकृतिक आपदा/प्रतिकूल प्रभाव से विकास और वास को सुरक्षित रखने के लिए विकास के लिए समुद्र-तट रेखा के साथ-साथ दिशा-निर्देशों सहित 750 मीटर का बफर क्षेत्र प्रस्तावित किया गया है। विकास योग्य क्षेत्र के लिए आवश्यक है कि वह समुद्रतट से दूर और राष्ट्रीय उद्यान की सीमा के निकट स्थित हो। इसके अतिरिक्त, विकास और मानवीय हस्तक्षेप के सभी क्रियाकलाप पहले से ही भारतीय वन अधिनियम, 1927 या वन संरक्षण अधिनियम, 1980 अथवा अंडमान एवं निकोबार (आदिकालीन जनजातियों का संरक्षण) विनियमन, 1956 द्वारा विनियमित है।

- (2) पारिस्थितिकी संवेदी जोन की सीमा का विवरण और विस्तार **अनुलग्नक -I** के रूप में संलग्न है।

(3) भू-निर्देशकों, सैटेलाइट चित्र और अवस्थान मानचित्र के साथ गालाथिया राष्ट्रीय उद्यान के पारिस्थितिकी संवेदी जोन का मानचित्र **अनुलग्नक -II क-ग** के रूप में संलग्न हैं।

(4) गालाथिया राष्ट्रीय उद्यान की सीमा और पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भू-निर्देशकों की सूची **अनुलग्नक -III की सारणी क और ख** के रूप में संलग्न हैं।

(5) पारिस्थितिकी संवेदी जोन के अंतर्गत कोई राजस्व ग्राम स्थित नहीं है।

2. पारिस्थितिकी संवेदी जोन के लिए आंचलिक महायोजना.—(1) संघ राज्य सरकार, द्वारा पारिस्थितिकी संवेदी जोन के प्रयोजन के लिए, राजपत्र में अंतिम अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से दो वर्ष की अवधि के भीतर, स्थानीय व्यक्तियों के परामर्श से और इस अधिसूचना में दिए गए अनुबंधों का पालन करते हुए, केंद्र शासित राज्य के सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदनार्थ एक आंचलिक महायोजना बनाई जायेगी।

(2) केंद्र शासित प्रदेश द्वारा पारिस्थितिकी संवेदी जोन के लिए आंचलिक महायोजना इस अधिसूचना में विनिर्दिष्ट रीति से तथा प्रासंगिक केंद्रीय और राज्य विधियों के अनुरूप तथा केंद्र सरकार द्वारा जारी दिशा निर्देशों, यदि कोई हों, के अनुसार बनायी जाएगी।

(3) आंचलिक महायोजना में पारिस्थितिकी और पर्यावरण संबंधी सरोकारों को शामिल करने के लिए इसे केंद्र शासित सरकार के निम्नलिखित विभागों के परामर्श से बनाया जाएगा, अर्थात्:-

- (i) पर्यावरण;
- (ii) वन और वन्यजीव;
- (iii) कृषि;
- (iv) पशुपालन;
- (v) अंडमान लोक निर्माण विभाग;
- (vi) राजस्व;
- (vii) मत्स्य; और
- (viii) अंडमान एवं लक्षद्वीप बंदरगाह निर्माण (एएलएचडब्ल्यू) और अन्य अनुसंधान संगठन।

(4) जब तक इस अधिसूचना में विनिर्दिष्ट न हो, आंचलिक महायोजना में वर्तमान में अनुमोदित भू-उपयोग, अवसंरचना और क्रियाकलापों पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाया जाएगा तथा आंचलिक महायोजना में सभी अवसंरचनाओं और क्रियाकलापों में सुधार करके उन्हें अधिक दक्ष और पारिस्थितिकी-अनुकूल बनाने की व्यवस्था की जाएगी।

(5) आंचलिक महायोजना में वनरहित और अवक्रमित क्षेत्रों के सुधार, विद्यमान जल निकायों के संरक्षण, जलग्रहण क्षेत्रों के प्रबंधन, जल-संभरों के प्रबंधन, भू-जल के प्रबंधन, मृदा और नदी के संरक्षण, स्थानीय जनता की आवश्यकताओं तथा पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण के ऐसे अन्य पहलुओं की व्यवस्था की जाएगी जिन पर ध्यान दिया जाना आवश्यक है।

(6) आंचलिक महायोजना ग्रेट निकोबार द्वीप-2015 के शोम्पेन जनजाति संबंधी नीति और अंडमान एवं निकोबार (आदिकालीन जनजातियों का संरक्षण) विनियमन, 1956 में किए गए प्रावधानों को ध्यान में रखते हुए तैयार की जाएगी।

(7) आंचलिक महायोजना द्वारा पारिस्थितिकी संवेदी जोन में होने वाले विकास का विनियमन किया जाएगा और ग्रेट निकोबार द्वीप-2015 के शोम्पेन जनजाति संबंधी नीति में प्रतिष्ठापित और अंडमान एवं निकोबार (आदिकालीन जनजातियों का संरक्षण) विनियमन, 1956 में किए गए प्रावधानों को विशेष रूप से संवेदनशील जनजाति समूह

(पीवीटीजी) के बचाव, सुरक्षा और कल्याण को ध्यान में रखते हुए पैराग्राफ 4 में सारणी में सूचीबद्ध प्रतिषिद्ध, विनियमित कार्यकलापों का पालन किया जाएगा।

(8) आंचलिक महायोजना में सभी विद्यमान पूजा स्थलों, ग्रामों एवं शहरी बस्तियों, वनों की श्रेणियों एवं किस्मों, कृषि क्षेत्रों, उपजाऊ भूमि, उद्यानों एवं उद्यानों की तरह के हरित क्षेत्रों, बागवानी क्षेत्रों, बगीचों, झीलों और अन्य जल निकायों की सीमा का सहायक मानचित्र के साथ निर्धारण किया जाएगा और मौजूदा और प्रस्तावित भू-उपयोग की विशेषताओं का ब्यौरा भी दिया जाएगा।

(9) आंचलिक महायोजना में पारिस्थितिकी संवेदी जोन में होने वाले विकास का विनियमन किया जाएगा और पैराग्राफ 4 में सारणी में यथासूचीबद्ध प्रतिषिद्ध एवं विनियमित क्रियाकलापों का पालन किया जाएगा। इसमें स्थानीय जनता की आजीविका की सुरक्षा के लिए पारिस्थितिकी-अनुकूल विकास का भी सुनिश्चय एवं संवर्धन किया जाएगा।

(10) आंचलिक महायोजना, क्षेत्रीय विकास योजना की सह-कालिक होगी।

(11) अनुमोदित आंचलिक महायोजना, निगरानी समिति के लिए एक संदर्भ दस्तावेज होगी ताकि वह इस अधिसूचना के उपबंधों के अनुसार निगरानी के अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर सके।

3. केंद्र शासित प्रदेश द्वारा किए जाने वाले उपाय.- केंद्र शासित प्रदेश अधिसूचना के उपबंधों को प्रभावी बनाने के लिए निम्नलिखित उपाय करेगी, अर्थात्:-

(1) **भू-उपयोग.-** (क) पारिस्थितिकी संवेदी जोन में वनों, बागवानी क्षेत्रों, कृषि क्षेत्रों, मनोरंजन के लिए चिन्हित उद्यानों और खुले स्थानों का वृहद वाणिज्यिक या आवासीय परिसरों या औद्योगिक क्रियाकलापों के लिए प्रयोग या संपरिवर्तन अनुमति नहीं किया जाएगा:

परंतु पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भीतर भाग (क), में विनिर्दिष्ट प्रयोजन से भिन्न प्रयोजन के लिए कृषि और अन्य भूमि का संपरिवर्तन, निगरानी समिति की सिफारिश पर और सक्षम प्राधिकारी के पूर्व अनुमोदन से क्षेत्रीय नगर योजना अधिनियम तथा यथा लागू केन्द्रीय सरकार एवं केंद्र शासित सरकार के अन्य नियमों एवं विनियमों के अधीन तथा इस अधिसूचना के उपबंधों के अनुसार स्थानीय निवासियों की निम्नलिखित आवासीय जरूरतों को पूरा करने के लिए अनुमत किया जाएगा जैसे:-

- (i) विद्यमान सड़कों को चौड़ा करना, उन्हें सुदृढ़ करना और नई सड़कों का निर्माण करना;
- (ii) बुनियादी ढांचों और नागरिक सुविधाओं का संनिर्माण और नवीकरण;
- (iii) प्रदूषण उत्पन्न न करने वाले लघु उद्योग;
- (iv) कुटीर उद्योग एवं ग्राम उद्योग; पारिस्थितिकी पर्यटन में सहायक सुविधा भण्डार, और स्थानीय सुविधाएं तथा गृह वास; और
- (v) पैराग्राफ-4 में उल्लिखित बढ़ावा दिए गए क्रियाकलाप:

परंतु यह भी कि क्षेत्रीय शहरी नियोजन अधिनियम के अधीन सक्षम प्राधिकारी के पूर्व अनुमोदन के बिना तथा राज्य सरकार के अन्य नियमों एवं विनियमों एवं संविधान के अनुच्छेद 244 के उपबंधों तथा तत्समय प्रवृत्त विधि, जिसके अंतर्गत अनुसूचित जनजाति और अन्य परंपरागत वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम, 2006 (2007 का 2) भी आता है, का अनुपालन किए बिना वाणिज्यिक या औद्योगिक विकास क्रियाकलापों के लिए जनजातीय भूमि का प्रयोग अनुमत नहीं होगा:

अंडमान एवं निकोबार (आदिकालीन जनजातियों का संरक्षण) विनियमन, 1956 की धारा 4,5 और 6 में किए गए प्रावधानों के अनुसार भूमि उपयोग को विनियमित किया जाएगा:

परंतु यह भी कि पारिस्थितिकी संवेदी जोन के अंतर्गत आने वाली भूमि के अभिलेखों में हुई किसी त्रुटि को, निगरानी समिति के विचार प्राप्त करने के पश्चात्, संघ राज्य सरकार द्वारा प्रत्येक मामले में एक बार सुधारा जाएगा और उक्त त्रुटि को सुधारने की सूचना केंद्रीय सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को दी जाएगी:

परंतु यह भी कि उपर्युक्त त्रुटि को सुधारने में, इस उप-पैरा में यथा उपबंधित के सिवाय, किसी भी दशा में भू-उपयोग का परिवर्तन शामिल नहीं होगा।

(ख) अनुप्रयुक्त या अनुत्पादक कृषि क्षेत्रों में पुनः वनीकरण तथा पर्यावासों की बहाली के प्रयास किए जाएंगे।

(2) **प्राकृतिक जल स्रोत.**— सभी प्राकृतिक जलमार्गों के जलग्रहण क्षेत्रों की पहचान की जाएगी और आंचलिक महायोजना में उनके संरक्षण और बहाली की योजना सम्मिलित की जाएगी और केंद्र शासित सरकार द्वारा दिशा-निर्देश इस रीति से तैयार किए जाएंगे कि उसमें ऐसे क्षेत्रों में या उसके पास विकास क्रियाकलापों को प्रतिषिद्ध और निर्बंधित किया गया हो।

(3) **पर्यटन एवं पारिस्थितिकी पर्यटन.**— (क) पारिस्थितिकी संवेदी जोन में सभी नए पारिस्थितिकी पर्यटन क्रियाकलाप या विद्यमान पर्यटन क्रियाकलापों का विस्तार पारिस्थितिकी संवेदी जोन संबंधी पर्यटन महायोजना के अनुसार अनुमत होगा।

(ख) पारिस्थितिकी पर्यटन महायोजना केंद्र शासित सरकार के पर्यावरण और वन विभाग के परामर्श से पर्यटन विभाग द्वारा बनायी जाएगी।

(ग) पर्यटन महायोजना आंचलिक महायोजना का घटक होगी।

(घ) पर्यटन महायोजना पारिस्थितिकी संवेदी जोन की वहन क्षमता के आधार पर तैयार की जायेगी।

(ङ) पारिस्थितिकी पर्यटन संबंधी क्रियाकलाप निम्नानुसार विनियमित किए जाएंगे, अर्थात्:-

(i) संरक्षित क्षेत्र की सीमा से एक किलोमीटर के भीतर या पारिस्थितिकी संवेदी जोन की सीमा तक, इनमें से जो भी अधिक निकट हो, किसी होटल या रिजॉर्ट का नया सन्निर्माण अनुमत नहीं किया जाएगा:

परंतु यह, पारिस्थितिकी पर्यटन सुविधाओं के लिए संरक्षित क्षेत्र की सीमा से एक किलोमीटर की दूरी से परे पारिस्थितिकी संवेदी जोन की सीमा तक पूर्व परिभाषित और अभीहित क्षेत्रों में पर्यटन महायोजना के अनुसार, नए होटलों और रिजॉर्ट की स्थापना अनुमत होगी;

(ii) पारिस्थितिकी संवेदी जोन के अन्दर सभी नए पर्यटन क्रिया-कलापों या विद्यमान पर्यटन क्रियाकलापों का विस्तार, केंद्रीय सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा जारी दिशानिर्देशों तथा पारिस्थितिकी पर्यटन, पारिस्थितिकीविकास-शिक्षा और पारिस्थितिकी-पर बल देने वाले राष्ट्रीय व्याघ्र संरक्षण प्राधिकरण द्वारा जारी पारिस्थितिकी पर्यटन संबंधी दिशानिर्देशों (समय-समय पर यथा संशोधित) के अनुसार होगा;

(iii) आंचलिक महायोजना का अनुमोदन होने तक, पर्यटन के विकास और विद्यमान पर्यटन क्रियाकलापों के विस्तार को वास्तविक स्थल-विशिष्ट संवीक्षा तथा निगरानी समिति की सिफारिश के आधार पर संबंधित विनियामक प्राधिकरणों द्वारा अनुमत किया जाएगा और पारिस्थितिकी संवेदी जोन में किसी नए होटल/ रिजॉर्ट या वाणिज्यिक प्रतिष्ठान का सन्निर्माण अनुमत नहीं होगा।

(4) **प्राकृतिक विरासत.**— पारिस्थितिकी संवेदी जोन के अंतर्गत आने वाले बहुमूल्य प्राकृतिक विरासत के सभी स्थलों जैसे कि जीन पूल रिजर्व क्षेत्र, शैल संरचना, जल प्रपात, झरने, दर्रे, उपवन, गुफाएं, स्थल, वनपथ, रोहण मार्ग, उत्प्रपात आदि की पहचान की जाएगी और उनकी सुरक्षा एवं संरक्षण के लिए आंचलिक महायोजना के भाग के रूप में एक विरासत संरक्षण योजना बनायी जाएगी।

(5) **मानव निर्मित विरासत स्थल.-** पारिस्थितिकी संवेदी जोन में भवनों, संरचनाओं, कलाकृति-क्षेत्रों तथा ऐतिहासिक, स्थापत्य संबंधी, सौंदर्यात्मक और सांस्कृतिक महत्व के क्षेत्रों की पहचान की जाएगी और उनके संरक्षण के लिए आंचलिक महायोजना के भाग के रूप में एक विरासत संरक्षण योजना बनायी जाएगी।

(6) **ध्वनि प्रदूषण.-** पर्यावरण अधिनियम के अधीन ध्वनि प्रदूषण (विनियमन और नियंत्रण) नियम, 2000 में नियत उपबंधों के अनुसार पारिस्थितिकी संवेदी जोन में ध्वनि प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण किया जाएगा।

(7) **वायु प्रदूषण.-** पारिस्थितिकी संवेदी जोन में, वायु प्रदूषण का निवारण और नियंत्रण, वायु (प्रदूषण निवारण और नियंत्रण) अधिनियम, 1981 (1981 का 14) और उसके अधीन बनाए गए नियमों के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा।

(8) **बहिस्त्राव का निस्सरण.-** पारिस्थितिकी संवेदी जोन में उपचारित बहिस्त्राव का निस्सरण, पर्यावरण अधिनियम और उसके अधीन बनाए गए नियमों के अधीन आने वाले पर्यावरणीय प्रदूषकों के निस्सरण के लिए साधारण मानकों या केंद्र शासित द्वारा नियत मानकों, जो भी अधिक कठोर हो, के उपबंधों के अनुसार होगा।

(9) **ठोस अपशिष्ट.-** ठोस अपशिष्ट का निपटान एवं प्रबंधन निम्नानुसार किया जाएगा:-

(i) पारिस्थितिकी संवेदी जोन में ठोस अपशिष्ट का निपटान और प्रबंधन भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की समय-समय पर यथा संशोधित अधिसूचना सं. का.आ. 1357(अ), दिनांक 8 अप्रैल, 2016 के तहत प्रकाशित ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा; अकार्बनिक पदार्थों का निपटान पारिस्थितिकी संवेदी जोन से बाहर चिन्हित किए गए स्थानों पर पर्यावरण-अनुकूल रीति से किया जाएगा;

(ii) पारिस्थितिकी संवेदी जोन में मान्य प्रौद्योगिकियों का प्रयोग करते हुए विद्यमान नियमों और विनियमों के अनुरूप ठोस अपशिष्ट का सुरक्षित और पर्यावरण अनुकूल प्रबंधन अनुमत किया जायेगा।

(10) **जैव चिकित्सा अपशिष्ट.-** जैव चिकित्सा अपशिष्ट का प्रबंधन निम्नानुसार किया जाएगा:-

(i) पारिस्थितिकी संवेदी जोन में जैव चिकित्सा अपशिष्ट का निपटान भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की समय-समय पर यथा संशोधित अधिसूचना सं.सा.का.नि 343 (अ), तारीख 28 मार्च, 2016 के तहत प्रकाशित जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा।

(ii) पारिस्थितिकी संवेदी जोन में मान्य प्रौद्योगिकियों का प्रयोग करते हुए विद्यमान नियमों और विनियमों के अनुरूप ठोस अपशिष्ट का सुरक्षित और पर्यावरण अनुकूल प्रबंधन अनुमत किया जायेगा।

(11) **प्लास्टिक अपशिष्ट का प्रबंधन.-** पारिस्थितिकी संवेदी जोन में प्लास्टिक अपशिष्ट का प्रबंधन, भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की समय-समय पर यथा संशोधित अधिसूचना सं.सा.का.नि 340(अ), तारीख 18 मार्च, 2016 के तहत प्रकाशित प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा।

(12) **निर्माण और विध्वंस अपशिष्ट का प्रबंधन.-** पारिस्थितिकी संवेदी जोन में निर्माण और विध्वंस अपशिष्ट का प्रबंधन, भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की समय-समय पर यथा संशोधित अधिसूचना सं.सा.का.नि 317(अ), तारीख 29 मार्च, 2016 के तहत प्रकाशित निर्माण और विध्वंस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा।

(13) **ई-अपशिष्ट.-** पारिस्थितिकी संवेदी जोन में ई-अपशिष्ट का प्रबंधन, भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा प्रकाशित तथा समय-समय पर यथा संशोधित ई-अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा।

(14) **सड़क-यातायात.-** सड़क-यातायात को पर्यावास-अनुकूल तरीके से विनियमित किया जाएगा और इस संबंध में आंचलिक महायोजना में विशेष उपबंध शामिल किए जाएंगे। आंचलिक महायोजना के तैयार होने और केंद्र शासित सरकार

के सक्षम प्राधिकारी से अनुमोदित होने तक, निगरानी समिति प्रासंगिक अधिनियमों और उनके तहत बनाए गए नियमों एवं विनियमों के अनुसार सड़क-यातायात के अनुपालन की निगरानी करेगी।

(15) **वाहन जनित प्रदूषण.-** वाहन जनित प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण लागू विधियों के अनुसार किया जाएगा। स्वच्छतर ईंधन के उपयोग के लिए प्रयास किए जाएंगे।

(16) **औद्योगिक इकाइयां.-** (क) सरकारी राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख को या उसके बाद पारिस्थितिकी संवेदी जोन में किसी नए प्रदूषणकारी उद्योग की स्थापना की अनुमति नहीं होगी।

(ख) जब तक इस अधिसूचना में विनिर्दिष्ट न हो, पारिस्थितिकी संवेदी जोन में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा फरवरी, 2016 में जारी दिशानिर्देशों में किए गए उद्योगों के वर्गीकरण के अनुसार केवल गैर-प्रदूषणकारी उद्योगों की स्थापना अनुमत होगी। इसके अतिरिक्त, गैर-प्रदूषणकारी कुटीर उद्योगों को बढ़ावा दिया जाएगा।

(17) **पहाड़ी ढलानों का संरक्षण.-** पहाड़ी ढलानों का संरक्षण निम्नानुसार किया जाएगा:-

(क) आंचलिक महायोजना में पहाड़ी ढलानों के उन क्षेत्रों को दर्शाया जाएगा जिनमें किसी भी संनिर्माण की अनुज्ञा नहीं होगी;

(ख) जिन ढलानों या विद्यमान खड़ी पहाड़ी ढलानों में अत्यधिक भू-क्षरण होता है उनमें किसी भी संनिर्माण की अनुज्ञा नहीं होगी।

4. पारिस्थितिकी संवेदी जोन में प्रतिषिद्ध या विनियमित किए जाने वाले क्रियाकलापों की सूची- पारिस्थितिकी संवेदी जोन में सभी क्रियाकलाप, पर्यावरण अधिनियम उसके अधीन बने नियमों के उपबंधों जिसमें तटीय विनियमन जोन, 2011 एवं पर्यावरणीय प्रभाव आकलन अधिसूचना, 2006 शामिल है सहित वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980 (1980 का 69), भारतीय वन अधिनियम, 1927 (1927 का 16), वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 (1972 का 53) अन्य लागू नियमों तथा उनमें किए गए संशोधनों के अनुसार शासित होंगे और नीचे दी गई सारणी में विनिर्दिष्ट रीति से विनियमित होंगे, अर्थात्:-

सारणी

क्रम सं. (1)	क्रियाकलाप (2)	टिप्पणी (3)
क. प्रतिषिद्ध क्रियाकलाप		
1.	वाणिज्यिक खनन, पत्थर उत्खनन और अपघर्षण इकाइयां।	(क) पारिस्थितिकी संवेदी जोन के अंतर्गत वास्तविक स्थानीय निवासियों की घरेलू आवश्यकताओं जिसमें मकानों के संनिर्माण या मरम्मत के लिए धरती को खोदना सम्मिलित है, के सिवाय सभी प्रकार के नए और विद्यमान खनन (लघु और वृहत खनिज), पत्थर उत्खनन और अपघर्षण इकाइयां तत्काल प्रभाव से प्रतिषिद्ध होंगी; (ख) खनन प्रचालन, 1995 की रिट याचिका (सिविल) सं. 202 में टी.एन. गौडाबर्मन थिरुमूलपाद बनाम भारत संघ के मामले में माननीय उच्चतम न्यायालय के आदेश 4 अगस्त, 2006 और 2012 की रिट याचिका (सिविल) सं. 435 में गोवा फाउंडेशन बनाम भारत संघ के मामले में तारीख 21 अप्रैल, 2014 के आदेश के अनुसरण में होगा।

2.	प्रदूषण (जल, वायु, मृदा, ध्वनि, आदि) उत्पन्न करने वाले उद्योगों की स्थापना।	पारिस्थितिकी संवेदी जोन में कोई नया उद्योग लगाने और वर्तमान प्रदूषणकारी उद्योगों का विस्तार करने की अनुमति नहीं होगी: जब तक कि इस अधिसूचना में विनिर्दिष्ट न हो, पारिस्थितिकी संवेदी जोन में फरवरी, 2016, में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा जारी दिशानिर्देशों में किए गए उद्योगों के वर्गीकरण के अनुसार केवल गैर- प्रदूषणकारी उद्योगों की स्थापना होगी। इसके अतिरिक्त, गैर-प्रदूषणकारी कुटीर उद्योगों को प्रोत्साहन दिया जाएगा।
3.	बड़ी जल विद्युत परियोजनाओं की स्थापना।	प्रतिषिद्ध।
4.	किसी परिसंकटमय पदार्थ का प्रयोग या उत्पादन या प्रसंस्करण।	प्रतिषिद्ध।
5.	प्राकृतिक जल निकायों या भूमि क्षेत्र में अनुपचारित बहिष्कावों का निस्सरण।	प्रतिषिद्ध।
6.	नई आरा मिलों की स्थापना।	पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भीतर नई और विद्यमान आरा मिलों का विस्तार अनुमत नहीं होगा।
7.	ईंट भट्टों की स्थापना करना।	प्रतिषिद्ध।
8.	पोलिथीन बैगों का प्रयोग।	प्रतिषिद्ध।
9.	जलावन लकड़ियों का वाणिज्यिक प्रयोग।	प्रतिषिद्ध।
10.	होटलों और रिसोर्टों की वाणिज्यिक स्थापना।	प्रतिषिद्ध।
11.	संनिर्माण क्रियाकलाप।	प्रतिषिद्ध।
12.	गैर प्रदूषणकारी लघु उद्योग।	प्रतिषिद्ध।
13.	वृक्षों की कटाई।	प्रतिषिद्ध।
14.	सतही और भूजल का वाणिज्यिक प्रयोग एवं निष्कर्षण।	प्रतिषिद्ध।
15.	विदेशी प्रजातियों को लाना।	प्रतिषिद्ध।
16.	बड़े पैमाने पर वाणिज्यिक तरीके से यंत्रीकृत नाव की मदद से नदी जल कृषि और मत्स्य ग्रहण।	प्रतिषिद्ध।
ख. विनियमित क्रियाकलाप		
17.	विद्युत और संचार टॉवर लगाने, तार-बिछाने तथा अन्य बुनियादी ढांचे की व्यवस्था।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होगा (भूमिगत केबल बिछाने को बढ़ावा दिया जाएगा)।
18.	नागरिक सुविधाओं सहित बुनियादी ढांचा।	लागू विधियों, नियमों और विनियमनों और उपलब्ध दिशानिर्देशों के अनुसार न्यूनीकरण उपाय किए जाएंगे।

19.	विद्यमान सड़कों को चौड़ा करना, उन्हें सुदृढ़ बनाना और नई सड़कों का निर्माण।	लागू विधियों, नियमों और विनियमनों और उपलब्ध दिशानिर्देशों के अनुसार न्यूनीकरण उपाय किए जाएंगे।
20.	पर्यटन से संबंधित अन्य क्रियाकलाप जैसे कि पारिस्थितिकी संवेदी जोन क्षेत्र के ऊपर से गर्म वायु के गुब्बारे, हेलीकाप्टर, ड्रोन, माइक्रोलाइट्स उड़ाना आदि।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होगा।
21.	रात्रि में वाहन यातायात का संचलन।	लागू विधियों के अधीन वाणिज्यिक प्रयोजन के लिए विनियमित होगा।
22.	स्थानीय जनता द्वारा अपनायी जा रही वर्तमान कृषि और बागवानी पद्धतियों के साथ डेयरियां, दुग्ध उत्पादन, जल कृषि और मत्स्य पालन।	स्थानीय जनता के प्रयोग के लिए लागू विधियों के अधीन अनुमत होंगे।
23.	प्राकृतिक जल निकायों या भू क्षेत्र में उपचारित अपशिष्ट जल/बहिर्वाह का निस्सरण।	जल निकायों में उपचारित अपशिष्ट जल/बहिर्वाह के निस्सरण से बचा जाएगा। उपचारित अपशिष्ट जल के पुनर्चक्रण और पुनःउपयोग के प्रयास किए जाएंगे अन्यथा उपचारित अपशिष्ट जल/बहिर्वाह का निस्सरण लागू विधियों के अनुसार विनियमित किया जाएगा।
24.	फर्मों, कारपोरेट, कंपनियों द्वारा बड़े पैमाने पर वाणिज्यिक पशुधन संपदा और कुक्कुट फार्मों की स्थापना।	स्थानीय आवश्यकताओं को पूरा करने के सिवाय लागू विधियों के अधीन विनियमित (अन्यथा उपबंधित के अलावा) होंगे।
25.	कृषि और अन्य उपयोग के लिए खुले कुंआ, बोर कुंआ, आदि।	विनियमित और उपयुक्त प्राधिकारी द्वारा क्रियाकलापों की सख्ती से निगरानी की जायेगी।
26.	ठोस अपशिष्ट का प्रबंधन।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होगा।
27.	पारिस्थितिकी पर्यटन।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होगा।
28.	वाणिज्यिक संकेत बोर्ड और होर्डिंग का प्रयोग।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होगा।
29.	पारम्परिक मत्स्य पालन।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होगा।
ग.संबंधित क्रियाकलाप		
30.	वन उत्पादों और गैर काष्ठ वन उत्पादों का संग्रहण।	अंडमान एवं निकोबार (आदिकालीन जनजातियों का संरक्षण) विनियमन, 1956 में उपबंधित पीवीटीजी (शोम्पेन) एवं निकोबारियों की प्रामाणिक आवश्यकता को पूरा करने के लिए अनुमति दी गई।
31.	पहाड़ी ढालों और नदी तटों का संरक्षण।	पीवीटीजी (शोम्पेन) की आजीविका को प्रभावित किए बिना यथासंभव बढ़ावा देना है।
32.	पीवीटीजी एवं निकोबारियों द्वारा	जीविका आवश्यकता के लिए बढ़ावा दिया जाएगा।

	कृषि और बागवानी पद्धतियां।	
33.	वर्षा जल संचय।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।
34.	जैविक खेती।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।
35.	सभी गतिविधियों के लिए हरित प्रौद्योगिकी का अंगीकरण।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।
36.	ग्रामीण कारीगरी सहित कुटीर उद्योग।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।
37.	नवीकरणीय ऊर्जा और ईंधन का प्रयोग।	बायोगैस, सौर प्रकाश इत्यादि को सक्रिय बढ़ावा दिया जाएगा।
38.	कृषि वानिकी।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।
39.	बागान लगाना और जड़ी बूटियों का रोपण।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।
40.	पारिस्थितिकी अनुकूल यातायात का प्रयोग।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।
41.	कौशल विकास।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।
42.	अवक्रमित भूमि/वनों/ पर्यावासों की बहाली।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।
43.	पर्यावरण के प्रति जागरूकता।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।

5. निगरानी समिति.- पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 की धारा 3 की उपधारा (3) के तहत इस अधिसूचना के उपबंधों की प्रभावी निगरानी के लिए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा एक निगरानी समिति का गठन करेगी जो निम्नलिखित से मिलकर बनेगी, नामतः:

क्र.स.	निगरानी समिति का गठन	पद
1.	उपायुक्त, निकोबार जिला	अध्यक्ष;
2.	सदस्य, जिला परिषद, कैम्पबेल खाड़ी	सदस्य;
3.	कार्यकारी अभियंता, अंडमान लोक निर्माण विभाग, कैम्पबेल खाड़ी	सदस्य;
4.	निदेशक, कृषि विभाग या प्रतिनिधि,	सदस्य;
5.	निदेशक, मत्स्य या प्रतिनिधि	सदस्य;
6.	वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी, कैम्पबेल खाड़ी	सदस्य;
7.	केंद्र शासित सरकार द्वारा तीन साल के लिए पर्यावरण (विरासत संरक्षण सहित) के क्षेत्र में काम करने वाले गैर-सरकारी संगठन का एक प्रतिनिधि	सदस्य;
8.	केंद्र शासित सरकार द्वारा नामित एक प्रतिष्ठित संस्थान से पर्यावरण या पारिस्थितिकी या वन्यजीव में एक विशेषज्ञ	सदस्य;
9.	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह जैव विविधता परिषद के प्रतिनिधि	सदस्य;
10.	प्रभागीय वन अधिकारी, निकोबार प्रभाग	सदस्य- सचिव

6. विचारार्थ विषय:- (1) निगरानी समिति इस अधिसूचना के उपबंधों के अनुपालन की निगरानी करेगी।

(2) निगरानी समिति का कार्यकाल तीन वर्ष तक या केंद्र शासित सरकार द्वारा नई समिति का पुनर्गठन किए जाने तक होगा और इसके बाद निगरानी समिति केंद्र शासित सरकार द्वारा गठित की जाएगी।

(3) पारिस्थितिकी संवेदी जोन में भारत सरकार के तत्कालीन पर्यावरण और वन मंत्रालय की अधिसूचना सं. का.आ. 1533(अ), तारीख 14 सितंबर, 2006 की अनुसूची में सम्मिलित और पारिस्थितिकीय संवेदी जोन में आने वाले क्रियाकलापों और इस अधिसूचना के पैराग्राफ 4 के अधीन सारणी में यथा विनिर्दिष्ट प्रतिषिद्ध गतिविधियों के सिवाय आने वाले ऐसे क्रियाकलापों की वास्तविक विनिर्दिष्ट स्थलीय दशाओं के आधार पर निगरानी समिति द्वारा संवीक्षा की जाएगी और उक्त अधिसूचना के उपबंधों के अधीन पूर्व पर्यावरण अनापत्ति लेने के लिए केन्द्रीय सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को निर्दिष्ट की जाएगी।

(4) इस अधिसूचना के पैरा 4 के अधीन सारणी में यथा विनिर्दिष्ट प्रतिषिद्ध क्रियाकलापों के सिवाय, भारत सरकार के तत्कालीन पर्यावरण और वन मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.आ. 1533(अ), तारीख 14 सितंबर, 2006 की अधिसूचना के अनुसूची के अधीन ऐसे क्रियाकलापों, जिन्हें सम्मिलित नहीं किया गया है, परंतु जो पारिस्थितिकी संवेदी जोन में आते हैं, ऐसे क्रियाकलापों की वास्तविक विनिर्दिष्ट स्थलीय दशाओं के आधार पर निगरानी समिति द्वारा संवीक्षा की जाएगी और उसे संबद्ध विनियामक प्राधिकरणों को निर्दिष्ट किया जाएगा।

(5) निगरानी समिति का सदस्य-सचिव या संबंधित उपायुक्त ऐसे व्यक्ति के विरुद्ध, जो इस अधिसूचना के किसी उपबंध का उल्लंघन करता है, पर्यावरण अधिनियम की धारा 19 के अधीन परिवाद दायर करने के लिए सक्षम होगा।

(6) निगरानी समिति संबंधित विभागों के प्रतिनिधियों या विशेषज्ञों, औद्योगिक संघों के प्रतिनिधियों या संबंधित पक्षों को, प्रत्येक मामले में आवश्यकता के अनुसार, अपने विचार-विमर्श में सहायता के लिए आमंत्रित कर सकेगी।

(7) निगरानी समिति प्रत्येक वर्ष 31 मार्च की स्थिति के अनुसार अपनी वार्षिक कार्रवाई रिपोर्ट संघ राज्य के मुख्य वन्यजीव वार्डन को, अनुलग्नक IV में दिए गए प्रपत्र के अनुसार, उस वर्ष की 30 जून तक प्रस्तुत करेगी।

(8) केन्द्रीय सरकार का पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय निगरानी समिति को उसके कृत्यों के प्रभावी निर्वहन के लिए ऐसे निदेश दे सकेगा जो वह उचित समझे।

7. इस अधिसूचना के उपबंधों को प्रभावी बनाने के लिए केन्द्रीय सरकार और केंद्र शासित सरकार, अतिरिक्त उपाय, यदि कोई हों, विनिर्दिष्ट कर सकेंगी।

8. इस अधिसूचना के उपबंध भारत के माननीय उच्चतम न्यायालय या उच्च न्यायालय या राष्ट्रीय हरित अधिकरण द्वारा पारित किए गए या पारित किए जाने वाले आदेश, यदि कोई हो, के अधीन होंगे।

[फा. सं. 25/16/2020-ईएसजेड]

डॉ. सतीश चन्द्र गढ़कोटी, वैज्ञानिक 'जी'

अनुलग्नक - I**क. गालाथिया राष्ट्रीय उद्यान और पारिस्थितिकी संवेदी जोन की सीमा का विवरण**

पूर्व- पारिस्थितिकी संवेदी जोन गालाथिया राष्ट्रीय उद्यान की सीमा बिंदु 1 ($6^{\circ} 59' 33.429''$ उ एवं $93^{\circ} 52' 8.570''$ पू) से आरंभ होती है, राष्ट्रीय उद्यान की सीमा से 0.5 किलोमीटर मगर नाला के निकट बिंदु ए2 ($6^{\circ} 59' 40.690''$ उ एवं $93^{\circ} 52' 23.157''$ पू) के पूर्व दिशा की ओर मुड़ती है। इसके बाद राष्ट्रीय उद्यान की पूर्वी सीमा से 0.5 किलोमीटर की दूरी बनाकर बिंदु ए 3 ($6^{\circ} 58' 52.401''$ उ एवं $93^{\circ} 52' 36.066''$ पू) एवं ए4 ($6^{\circ} 57' 24.953''$ उ एवं $93^{\circ} 51' 43.686''$ पू) से होते हुए ढिल्लन नाला के निकट बिंदु ए5 ($6^{\circ} 55' 53.257''$ उ एवं $93^{\circ} 52' 13.565''$ पू) तक दक्षिण दिशा की ओर जाती है। इसके बाद सीमा दक्षिण- पश्चिम दिशा की ओर मुड़ती है और बिंदु 3 ($6^{\circ} 55' 36.340''$ उ एवं $93^{\circ} 52' 4.623''$ पू) में गालाथिया राष्ट्रीय उद्यान की सीमा से मिलती है और बिंदु 5 ($6^{\circ} 50' 16.834''$ उ एवं $93^{\circ} 52' 22.608''$ पू) तक गालाथिया राष्ट्रीय उद्यान की सीमा जाती है।

दक्षिण- बिंदु 5 ($6^{\circ} 50' 16.834''$ उ एवं $93^{\circ} 52' 22.608''$ पू), से, सीमा गालाथिया राष्ट्रीय उद्यान की सीमा से होते हुए बिंदु 6 ($6^{\circ} 50' 52.594''$ उ एवं $93^{\circ} 49' 18.952''$ पू) तक दक्षिण-पश्चिम दिशा की ओर मुड़ती है।

पश्चिम:- बिंदु 6 ($6^{\circ} 50' 52.594''$ उ एवं $93^{\circ} 49' 18.952''$ पू) से, सीमा गालाथिया राष्ट्रीय उद्यान की सीमा से होते हुए बिंदु 7 ($6^{\circ} 53' 42.182''$ उ एवं $93^{\circ} 48' 37.418''$ पू), बिंदु 8 ($6^{\circ} 54' 4.291''$ उ एवं $93^{\circ} 49' 11.580''$ पू), बिंदु 9 ($6^{\circ} 55' 2.576''$ उ एवं $93^{\circ} 48' 14.121''$ पू) एवं बिंदु 10 ($6^{\circ} 56' 45.865''$ उ एवं $93^{\circ} 47' 52.416''$ पू) से होते हुए बिंदु 11 ($6^{\circ} 58' 15.837''$ उ एवं $93^{\circ} 47' 30.378''$ पू) तक उत्तर दिशा की ओर मुड़ती है।

उत्तर: बिंदु 11 ($6^{\circ} 58' 15.837''$ उ एवं $93^{\circ} 47' 30.378''$ पू) से, सीमा इसके बाद गालाथिया राष्ट्रीय उद्यान की सीमा से 1.00 किलोमीटर की दूरी में बिंदु ए 6 ($6^{\circ} 58' 27.217''$ उ एवं $93^{\circ} 46' 58.873''$ पू) तक उत्तर-पश्चिम दिशा की ओर मुड़ती है इसके बाद राष्ट्रीय उद्यान की सीमा से एक किलोमीटर की एकरूप दूरी बनाकर बिंदु ए7 ($6^{\circ} 59' 2.745''$ उ एवं $93^{\circ} 49' 40.976''$ पू) और बिंदु ए8 ($7^{\circ} 0' 19.532''$ उ एवं $93^{\circ} 51' 42.870''$ पू) से होते हुए बिंदु ए1 ($6^{\circ} 59' 47.949''$ उ एवं $93^{\circ} 52' 37.740''$ पू) तक पूर्व दिशा की ओर मुड़ती है। सीमा इसके बाद पश्चिम दिशा की ओर मुड़ती है और बिंदु ए 2 ($6^{\circ} 59' 40.690''$ उ एवं $93^{\circ} 52' 23.157''$ पू) में मिलती है।

अनुलग्नक - IIक

भू-निर्देशांकों के साथ गालाथिया राष्ट्रीय उद्यान के पारिस्थितिकी संवेदी जोन का मानचित्र

Map showing the proposed Eco-Sensitive Zone of Galathea National Park



अनुलग्नक – IIख

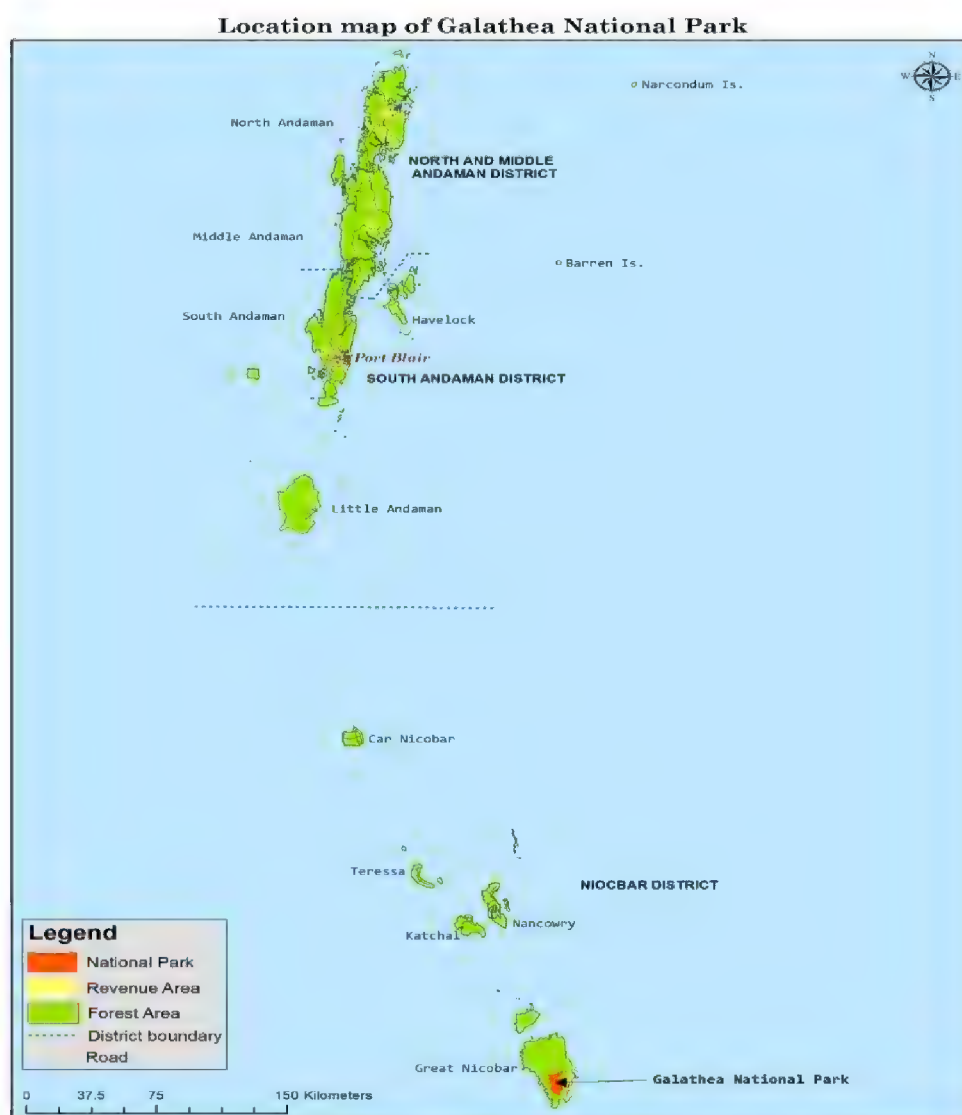
गालाथिया राष्ट्रीय उद्यान और इसके पारिस्थितिकी संवेदी जोन का सैटेलाइट चित्र

Map showing the proposed Eco-Sensitive Zone of Galathea National Park



अनुलग्नक - IIग

गालाथिया राष्ट्रीय उद्यान और इसके पारिस्थितिकी संवेदी जोन का अवस्थान मानचित्र



अनुलग्नक -III

सारणी क: मानचित्र पर दर्शाये गये गालाथिया राष्ट्रीय उद्यान की सीमा के साथ मुख्य अवस्थानों के भू-निर्देशांक

क्र.सं	स्टेशन	अक्षांश	देशांतर
1.	1	6° 59' 33.429" उ	93° 52' 8.570" पू
2.	2	6° 58' 54.027" उ	93° 52' 19.857" पू
3.	3	6° 55' 36.340" उ	93° 52' 4.623" पू
4.	4	6° 54' 31.706" उ	93° 52' 21.859" पू
5.	5	6° 50' 16.834" उ	93° 52' 22.608" पू
6.	6	6° 50' 52.594" उ	93° 49' 18.952" पू
7.	7	6° 53' 42.182" उ	93° 48' 37.418" पू
8.	8	6° 54' 4.291" उ	93° 49' 11.580" पू
9.	9	6° 55' 2.576" उ	93° 48' 14.121" पू
10.	10	6° 56' 45.865" उ	93° 47' 52.416" पू
11.	11	6° 58' 15.837" उ	93° 47' 30.378" पू
12.	12	6° 58' 30.158" उ	93° 49' 51.839" पू

सारणी ख: मानचित्र पर दर्शाए गए गालाथिया राष्ट्रीय उद्यान के पारिस्थितिकी संवेदी जोन की सीमा के साथ मुख्य अवस्थानों के भू-निर्देशांक

क्र.सं	स्टेशन	अक्षांश	देशांतर
1.	ए1	6° 59' 47.949" उ	93° 52' 37.740" पू
2.	ए2	6° 59' 40.690" उ	93° 52' 23.157" पू
3.	ए3	6° 58' 52.401" उ	93° 52' 36.066" पू
4.	ए4	6° 57' 24.953" उ	93° 51' 43.686" पू
5.	ए5	6° 55' 53.257" उ	93° 52' 13.565" पू
6.	ए6	6° 58' 27.217" उ	93° 46' 59.873" पू
7.	ए7	6° 59' 2.745" उ	93° 49' 40.976" पू
8.	ए8	7° 0' 19.532" उ	93° 51' 42.870" पू

अनुलग्नक -IV

की गई कार्रवाई - सम्बन्धी रिपोर्ट का प्रपत्र पारिस्थितिकी संवेदी जोन की निगरानी समिति

1. बैठकों की संख्या और तारीख ।
2. बैठकों का कार्यवृत्त : (कृपया मुख्य उल्लेखनीय बिंदुओं का वर्णन करें । बैठक के कार्यवृत्त को एक पृथक अनुलग्नक में प्रस्तुत करें) ।
3. पर्यटन महायोजना सहित आंचलिक महायोजना की तैयारी की स्थिति ।
4. भू-अभिलेखों की स्पष्ट त्रुटियों के सुधार के लिए निबटाए गए मामलों का सार (पारिस्थितिकी-संवेदी जोन वार) । विवरण अनुलग्नक के रूप में संलग्न करें।
5. पर्यावरण प्रभाव आकलन अधिसूचना, 2006 के अधीन आने वाली गतिविधियों से संबंधित संवीक्षा किए गए मामलों का सार। (विवरण एक पृथक अनुलग्नक के रूप में संलग्न करें)।
6. पर्यावरण प्रभाव आकलन अधिसूचना, 2006 के अधीन न आने वाली गतिविधियों से संबंधित संवीक्षा किए गए मामलों का सार । (विवरण एक पृथक अनुलग्नक के रूप में संलग्न करें)।
7. पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 की धारा 19 के अधीन दर्ज की गई शिकायतों का सार ।
8. कोई अन्य महत्वपूर्ण मामला ।

MINISTRY OF ENVIRONMENT, FOREST AND CLIMATE CHANGE**NOTIFICATION**

New Delhi, the 28th October, 2020

S.O. 3874(E).—the following draft of the notification, which the Central Government proposes to issue in exercise of the powers conferred by sub-section (1), read with clause (v) and clause (xiv) of sub-section (2) and sub-section (3) of section 3 of the Environment (Protection) Act, 1986 (29 of 1986) is hereby published, as required under sub-rule (3) of rule 5 of the Environment (Protection) Rules, 1986, for the information of the public likely to be affected thereby; and notice is hereby given that the said draft notification shall be taken into consideration on or after the expiry of a period of sixty days from the date on which copies of the Gazette containing this notification are made available to the public;

Any person interested in making any objections or suggestions on the proposals contained in the draft notification may forward the same in writing, for consideration of the Central Government within the period so specified to the Secretary, Ministry of Environment, Forest and Climate Change, Indira Paryavaran Bhawan, Jor bagh Road, Aliganj, New Delhi-110 003, or send it to the e-mail address of the Ministry at esz-mef@nic.in

DRAFT NOTIFICATION

AND WHEREAS, the Galathea National Park is spread over an area of 110 square kilometers and is located in the South Central Great Nicobar Island in Nicobar District of Andaman & Nicobar Islands;

AND WHEREAS, the Galathea National Park is the core area of Great Nicobar Biosphere Reserve with surrounding protected forest as the buffer zone with effect from 13 January 1989, vide notification No.J-22010/14/89-CSC and was also declared as World Heritage Site by UNESCO in 2013;

AND WHEREAS, the Galathea National park is home to a variety of endemic flora and fauna including the coastal and mangrove ecosystem. The area also has several important values from ecological, faunal, floral, geomorphologic and recreational and research/educational perspective;

AND WHEREAS, the vegetation of the protected area is unique due to its tropical humid climate being closer to the equator, insular nature of the territory, physical isolation of the islands and the impact of both South-West and North-East monsoons which has given rise to dense and diverse vegetation cover;

AND WHEREAS, the vegetation at Galathea National park is one of the best preserved tropical rain forests in the world and shows high degree of endemism owing to its geographic location and physical isolation. The National Park also has elements from the Indo-Chinese and Indo-Malayan regions. About 648 species of flora have been reported from the area belonging to 422 genera and 142 families, out of which 48 species of endemic flora and 85 species of non-endemic flora are rare and endangered. The Gymnosperms are represented by 4 species belonging to 3 genera and 3 families. The Pteridophytic group contributes to a great extent to the plant diversity and richness of the flora comprising of 77 species of which the population of tree fern constitute a major portion of the vegetation along the hilly slopes of the interior forests;

AND WHEREAS, the Galathea National park is consisted of Tidal Swamp Forest (Mangrove Forest), Littoral Forest (Beach Forests), Low level Evergreen Forests (Coral Reef Forests), Tropical Evergreen Forests (True Tropical Forests), Southern hill-top evergreen forests and fern breaks. The members of the families Euphorbiaceae, Rubiaceae, Arecaceae, Orchidaceae and Cyperaceae and Poaceae and Annonaceae show high representation in terms of endemism. The distinct flora of the area can be visualized by the fact that the genera *Otentera* and *Astronia* of Melastomataceae, *Cyrtandromea* of Scrophulariaceae, *Cyrtandra* of Gesneriaceae, *Stemonurus* of Icacaceae, *Rhopaloblaste* from Arecaceae and *Spathoglottis* of Orchidaceae and many more species are endemic to these areas;

AND WHEREAS, the endemic floral species present in the area includes tree ferns like *Sphaeropteris albo-setacea* (*Cyathea albo-setacea*) and *Sphaeropteris nicobarica* (*Cyathea nicobarica*). Other endemic floral species found in the area are *Pronephrium nakaikeum*, *Artabotrys nicobarianus*, *Friesodielsia forniculata*, *Uvaria nicobarica*, *Chisocheton nicobarianus*, *Nicobario dendronsleumeri*, *Connarus nicobaricus*, *Otentera nicobarensis*, *Ophiorrhiza infundibularis*, *Ophiorrhiza nicobarica*, *Jasminum syringifolium*, *Chilocarpus denudatus* var. *nicobaricus*, *Genianthus horei*, *Cyrtandroemia nicobarica*, *Cyrtandra burtii*, *Cyrtandra occidentalis*, *Nothophoebe nicobaricus*, *Cleistanthus balakrishnani*, *Trogonostemon villosus* var. *nicobaricus*, *Aerides emericii*, *Anoectochilus nicobaricus*, *Dendrobium shompenii*, *Hornstedtia fenzlii*, *Phrynium paniculatum*, *Calamus nicobaricus*, *Rhopaloblaste augustata*, *Aglaonema nicobaricum*, *Homalomena griffithii* var. *ovate*;

AND WHEREAS, mangrove forests of the Galathea National park are highly productive ecosystems and have many ecological functions. 14 species of mangroves are recorded from the area namely *Rhizophora apiculata*, *Bruguiera gymnorhiza*, *Sonneratia caseolaris*. Other important vegetation of the area includes climbers and lianas such as *Derris trifoliata*, *Sarcolobus globosus*, *Finlaysonia obovata*, epiphytic fern and orchids namely *Asplenium nidus*, *Dendrobium crumenatum* and *Trichoglottis cirrhifera*. A number of potential and economically important species including *Nypa fruticans* and *Vanilla anadamanica* grows wild in the protected area;

AND WHEREAS, the protected area has only one perennial river namely Galathea, which originates in Campbell Bay National Park flowing all the way towards south through Galathea National Park and its estuaries form important nesting grounds for Giant Leatherback Sea Turtle (*Dermochelys coriacea*), Olive Ridley Turtle (*Lepidochelys olivacea*), Green Sea Turtles (*Chelonia mydas*);

AND WHEREAS, a total of 330 species of fauna are recorded from the Galathea National Park including 28 species of mammals (including 3 marine mammals), 97 species of birds, 23 species of reptiles, 10 species of amphibians, 52 species of butterflies, 24 species of odonates, 20 species of spiders and 76 species of aquatic Hemipterans;

AND WHEREAS, the Galathea National park is known to harbor an exceptional variety of wildlife, the major threatened and endemic fauna recorded from the national park are Nicobar Crab eating Macaque (*Macaca fascicularis umbrosa*), Nicobar Wild Pig (*Sus scrofa nicobarica*), Dugong (*Dugong dugon*), Nicobar Tree Shrew (*Tupaia nicobarica nicobarica*), Nicobar Flying Fox (*Pteropus faunulus*), Spiny Shrew (*Crocidura nicobarica*) and Nicobar Leaf nosed Bat (*Hipposideros ater nicobarulæ*), Rat (*Rattus burrescens*), (*Rattus burrus*), (*Rattus pulliventer*), (*Rattus palmarum*), Nicobar Pipistrelle (*Pipistrellus camortae*), Andaman Water Monitor (*Varanus salvator andamanensis*), Tiwari's Garden Lizard (*Calotes danieli*), Estuarine Crocodile (*Crocodilus porosus*);

AND WHEREAS, the important endemic avi-faunal species present in the area are Nicobar tiger bittern (*Gorsachius melanolophus minor*), Nicobar cuckoo dove (*Macropygia rufipennis rufipennis*), Nicobar emerald dove (*Chalcophaps indica augusta*), Great Nicobar crested serpent eagle (*Spilornis klossi*), Nicobar paradise flycatcher (*Terpsiphone paradise nicobarica*), Andaman three toed kingfisher (*Ceyx erithacus macrocarus*), Nicobar strok billed kingfisher (*Pelargopsis capensis*), Nicobar white-collared kingfisher (*Halcyon chloris occipitalis*), Andaman koel (*Eudynamis scolopacea dolosa*), Nicobar megapode (*Megapodius nicobariensis*), Nicobar hill myna (*Gracula religiosa halibrecta*), Nicobar back-naped oriole (*Oriolus chinensis macrourus*), Nicobar scops owl (*Otus scops nicobaricus*), Blyth's nicobar parakeet (*Psittacula caniceps*), Nicobar redcheeked parakeet (*Psittacula longicauda nicobarica*), Nicobar pigeon (*Caloenas nicobarica nicobarica*), Nicobar green imperial pigeon (*Ducula aenea nicobarica*), katchal shikra (*Accipiter badius obsoletus*), Nicobar white eye (*Zosterops palpebros anicobarica*), Andaman Glossy Stare (*Aplonis panayensis tytleri*), Nicobar Olive backed sunbird (*Nectarinia jugularis klossi*), Nicobar yellow backed sunbird (*Aethopyga siparaja nicobarica*), Andaman grey rumped swiftlet (*Collocalia fuciphaga inexpectata*), white bellied swiftlet (*Collocalia esculenta affinis*), Nicobar ground thrush (*Zoothera citrine albogularis*);

AND WHEREAS, the forests of Galathea National Park are abode to one of the Particularly Vulnerable Tribal Groups, the Shompens, which is still in the hunting and gathering stage and is solely dependent on the forest resources as the Galathea National Park including the Eco- Sensitive Zone has been notified as Tribal Reserve under section 3 of the Andaman & Nicobar (Protection of Aboriginal Tribes) Regulation, 1956, wherein, they enjoy unfettered rights over the forest resources under the Andaman & Nicobar (Protection of Aboriginal Tribes) Regulation, 1956 and section 65 of the Wildlife (Protection) Act, 1972;

AND WHEREAS, the allotment of land for agricultural purposes and acquisition of any interest in any land within the reserved area or any produce of or crops raised on such land are regulated under section 4 and section 6 of the Andaman & Nicobar (Protection of Aboriginal Tribes) Regulation, 1956;

AND WHEREAS, entry of any person other than aboriginal tribe or any class of persons other than members of an aboriginal tribe into the reserve area is regulated under section 7 of Regulation aforesaid. Further, transfer of reserved land by way of sale, exchange, mortgage, lease or otherwise to any person other than the member of aboriginal tribe shall be regulated under section 5 the Andaman & Nicobar (Protection of Aboriginal Tribes) Regulation, 1956 and insurance of social, cultural and economic integrity, community, facilitation of community wellbeing as also the protection of natural habitat is guided by the Policy on Shompen Tribe of Great Nicobar Island – 2015;

AND WHEREAS, it is necessary to conserve and protect the area, the extent and boundaries of Galathea National Park which are specified in paragraph 1 as Eco-sensitive Zone from ecological, environmental and biodiversity point of view and to prohibit industries or class of industries and their operations and processes in the said Eco-sensitive Zone;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) and clauses (v) and (xiv) of sub-section (2) and sub-section (3) of section 3 of the Environment (Protection) Act, 1986 (29 of 1986) (hereafter in this notification referred to as the Environment Act) read with sub-rule (3) of rule 5 of the Environment (Protection) Rules, 1986, the Central Government hereby notifies an area to an extent of (0)zero to one kilometer around the boundary of Galathea National Park in the Union Territory of Andaman and Nicobar Islands as Eco-sensitive Zone (hereafter in this notification referred to as the Eco-sensitive Zone) details of which are as under, namely:-

- (1) **Extent and boundaries of Eco-Sensitive Zone.** –(1) The Eco-sensitive Zone shall be to an extent of zero to one kilometre around the boundary of Galathea National Park and the area of the Eco-sensitive zone shall be **14.93 square kilometres**. The minimum extent is 'zero' because the major geographical area of Great Nicobar Island is covered under Protected Area Network and Tribal Reserve in such a way that there is little area left for holistic development around the area. Further, to protect the development and inhabitation from the unforeseen natural disaster/ adverse effect like Tsunami, rising water level, a 750 metres buffer is proposed with guidelines all along the coastline for development. This requires the developable area to be located away from the coast and near to National Park boundary. Furthermore, all activities of development and human intervention are already regulated by either Indian Forest Act, 1927 or Forest Conservation Act, 1980 or the Andaman & Nicobar (Protection of Aboriginal Tribes) Regulation, 1956.
- (2) The extent and boundary description of the Eco-Sensitive Zone is appended as **Annexure –I**.
- (3) Map of Eco-Sensitive Zone of Galathea National Park along with geo-coordinates, satellite image and location maps are appended as **Annexure-IIA-C**.

(4) List of geo-coordinates of the boundary of Galathea National Park and eco-sensitive zone is appended as Table A and B of **Annexure-III**.

(5) No revenue villages are located within the Eco-Sensitive Zone.

2. Zonal Master Plan for Eco-Sensitive Zone. - (1) The Union Territory Government shall, for the purposes of the Eco-sensitive Zone prepare a Zonal Master Plan within a period of two years from the date of publication of this notification in the Official Gazette, in consultation with local people and adhering to the stipulations given in this notification for approval of the Competent authority of Union Territory.

(2) The Zonal Master Plan for the Eco-sensitive Zone shall be prepared by the Union Territory Government in such manner as is specified in this notification and also in consonance with the relevant Central and Union Territory laws and the guidelines issued by the Central Government, if any

(3) The Zonal Master Plan shall be prepared in consultation with the following Departments of the Union Territory Government, for integrating the ecological and environmental considerations into the said plan:-

- (i) Environment;
- (ii) Forest and Wildlife;
- (iii) Agriculture;
- (iv) Animal Husbandry;
- (v) Andaman Public Works Department;
- (vi) Revenue;
- (vii) Fisheries; and
- (viii) Andaman and Lakshadweep Harbour Works (ALHW) and other research organisations.

(4) The Zonal Master Plan shall not impose any restriction on the approved existing land use, infrastructure and activities, unless so specified in this notification and the Zonal Master Plan shall factor in improvement of all infrastructure and activities to be more efficient and eco-friendly.

(5) The Zonal Master Plan shall provide for restoration of denuded areas, conservation of existing water bodies, management of catchment areas, watershed management, groundwater management, soil and moisture conservation, needs of local community and such other aspects of the ecology and environment that need attention.

(6) The Zonal Master Plan shall be prepared taking into consideration the Policy on Shompen Tribe of Great Nicobar Island-2015 and the provisions made in the Andaman & Nicobar (Protection of Aboriginal Tribes) Regulation, 1956.

(7) The Zonal Master Plan shall regulate development in Eco-Sensitive Zone and adhere to prohibited, regulated activities listed in the Table in paragraph 4, keeping the safety, security and wellbeing of Particularly Vulnerable Tribal Group (PVTG) to the fore as enshrined in Policy on Shompen Tribe of Great Nicobar Island-2015 and the provisions made in the Andaman & Nicobar (Protection of Aboriginal Tribes) Regulation, 1956.

(8) The Zonal Master Plan shall demarcate all the existing worshipping places, villages and urban settlements, types and kinds of forests, agricultural areas, fertile lands, green area, such as, parks and like places, horticultural areas, orchards, lakes and other water bodies and also with supporting maps giving details of existing and proposed land use features.

(9) The Zonal Master Plan shall regulate development in Eco-sensitive Zone and adhere to prohibited, regulated activities listed in the Table in paragraph 4 and also ensure and promote eco-friendly development for Security of local communities livelihood.

(10) The Zonal Master Plan shall be co-terminus with the Regional Development Plan.

(11) The Zonal Master Plan so approved shall be the reference document for the Monitoring Committee for carrying out its functions of monitoring in accordance with the provisions of this notification.

3. Measures to be taken by the Union Territory Government. -The Union Territory Government shall take the following measures for giving effect to the provisions of this notification, namely: -

- (1) **Land use.** - (a) Forests, horticulture areas, agricultural areas, parks and open spaces earmarked for recreational purposes in the Eco-sensitive Zone shall not be used or converted into areas for major commercial or residential or industrial activities:

Provided that the conversion of agricultural and other lands, for the purpose other than that specified at part (a), within the Eco-sensitive Zone may be permitted on the recommendation of the Monitoring Committee, and with the prior approval of the competent authority under Regional Town Planning Act and

other rules and regulations of Central Government or Union Territory Government as applicable and vide provisions of this Notification, to meet the residential needs of the local residents and for activities such as:-

- (i) widening and strengthening of existing roads and construction of new roads;
- (ii) construction and renovation of infrastructure and civic amenities;
- (iii) small scale industries not causing pollution;
- (iv) cottage industries including village industries; convenience stores and local amenities supporting eco-tourism including home stay; and
- (v) promoted activities given under paragraph 4:

Provided further that no use of tribal land shall be permitted for commercial and industrial development activities without the prior approval of the competent authority under Regional Town Planning Act and other rules and regulations of the Union Territory Government and without compliance of the provisions of article 244 of the Constitution or the law for the time being in force, including the Scheduled Tribes and Other Traditional Forest Dwellers (Recognition of Forest Rights) Act, 2006 (2 of 2007):

The land use shall be regulated as per the provisions made at section 4, 5 and 6 of the Andaman & Nicobar (Protection of Aboriginal Tribes) Regulation, 1956:

Provided also that any error appearing in the land records within the Eco-sensitive Zone shall be corrected by the Union Territory Government, after obtaining the views of Monitoring Committee, once in each case and the correction of said error shall be intimated to the Central Government in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change:

Provided also that the correction of error shall not include change of land use in any case except as provided under this sub-paragraph.

(b) Efforts shall be made to reforest the unused or unproductive agricultural areas with afforestation and habitat restoration activities.

(2) **Natural water bodies.**—The catchment areas of all natural springs shall be identified and plans for their conservation and rejuvenation shall be incorporated in the Zonal Master Plan and the guidelines shall be drawn up by the Union Territory Government in such a manner as to prohibit development activities at or near these areas which are detrimental to such areas.

(3) **Tourism or Eco-tourism.**—(a) All new eco-tourism activities or expansion of existing tourism activities within the Eco-sensitive Zone shall be as per the Tourism Master Plan for the Eco-sensitive Zone.

(b) The Eco-Tourism Master Plan shall be prepared by the Department of Tourism in consultation with Union Territory Departments of Environment and Forest.

(c) The Tourism Master Plan shall form a component of the Zonal Master Plan.

(d) The Tourism Master Plan shall be drawn based on the study of carrying capacity of the Eco-sensitive Zone.

(e) The activities of eco-tourism shall be regulated as under, namely:-

- (i) New construction of hotels and resorts shall not be allowed within 1 kilometre from the boundary of the Wildlife Sanctuary or upto the extent of the Eco-sensitive Zone whichever is nearer:

Provided that, beyond the distance of one kilometre from the boundary of the Wildlife Sanctuary till the extent of the Eco-sensitive Zone, the establishment of new hotels and resorts shall be allowed only in pre-defined and designated areas for eco-tourism facilities as per Tourism Master Plan;

- (ii) all new tourism activities or expansion of existing tourism activities within the Eco-sensitive Zone shall be in accordance with the guidelines issued by the Central Government in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change and the eco-tourism guidelines issued by National Tiger Conservation Authority (as amended from time to time) with emphasis on eco-tourism, eco-education and eco development;

- (iii) until the Zonal Master Plan is approved, development for tourism and expansion of existing tourism activities shall be permitted by the concerned regulatory authorities based on the actual site specific

scrutiny and recommendation of the Monitoring Committee and no new hotel, resort or commercial establishment construction shall be permitted within Eco-sensitive Zone area.

- (4) **Natural heritage.**—All sites of valuable natural heritage in the Eco-sensitive Zone, such as the gene pool reserve areas, rock formations, waterfalls, springs, gorges, groves, caves, points, walks, rides, cliffs, etc. shall be identified and a heritage conservation plan shall be drawn up for their preservation and conservation as a part of the Zonal Master Plan.
- (5) **Man-made heritage sites.**—Buildings, structures, artefacts, areas and precincts of historical, architectural, aesthetic, and cultural significance shall be identified in the Eco-sensitive Zone and heritage conservation plan for their conservation shall be prepared as part of the Zonal Master Plan.
- (6) **Noise pollution.**—Prevention and control of noise pollution in the Eco-sensitive Zone shall be carried out in accordance with the provisions of the Noise Pollution (Regulation and Control) Rules, 2000 under the Environment Act.
- (7) **Air pollution.**—Prevention and control of air pollution in the Eco-sensitive Zone shall be carried out in accordance with the provisions of the Air (Prevention and Control of Pollution) Act, 1981 (14 of 1981) and the rules made thereunder.
- (8) **Discharge of effluents.**—Discharge of treated effluent in Eco-sensitive Zone shall be in accordance with the provisions of the General Standards for Discharge of Environmental Pollutants covered under the Environment Act and the rules made thereunder or standards stipulated by the Union Territory Government, whichever is more stringent.
- (9) **Solid wastes.**—Disposal and Management of solid wastes shall be as under:—
 - (i) the solid waste disposal and management in the Eco-sensitive Zone shall be carried out in accordance with the Solid Waste Management Rules, 2016, published by the Government of India in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change *vide* notification number S.O. 1357 (E), dated the 8th April, 2016; the inorganic material may be disposed in an environmental acceptable manner at site identified outside the Eco-sensitive Zone;
 - (ii) safe and Environmentally Sound Management of Solid wastes in conformity with the existing rules and regulations using identified technologies may be allowed within Eco-sensitive Zone.
- (10) **Bio-Medical Waste.**—Bio-Medical Waste Management shall be as under:—
 - (i) the Bio-Medical Waste disposal in the Eco-sensitive Zone shall be carried out in accordance with the Bio-Medical Waste Management Rules, 2016, published by the Government of India in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change *vide* notification number G.S.R. 343 (E), dated the 28th March, 2016.
 - (ii) safe and Environmentally Sound Management of Bio-Medical Wastes in conformity with the existing rules and regulations using identified technologies may be allowed within the Eco-sensitive Zone.
- (11) **Plastic waste management.**—The plastic waste management in the Eco-sensitive Zone shall be carried out as per the provisions of the Plastic Waste Management Rules, 2016, published by the Government of India in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change *vide* notification number G.S.R. 340(E), dated the 18th March, 2016, as amended from time to time.
- (12) **Construction and demolition waste management.**—The construction and demolition waste management in the Eco-sensitive Zone shall be carried out as per the provisions of the Construction and Demolition Waste Management Rules, 2016 published by the Government of India in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change *vide* notification number G.S.R. 317(E), dated the 29th March, 2016, as amended from time to time.
- (13) **E-waste.**—The e - waste management in the Eco-sensitive Zone shall be carried out as per the provisions of the E-Waste Management Rules, 2016, published by the Government of India in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change, as amended from time to time.
- (14) **Vehicular traffic.**—The vehicular movement of traffic shall be regulated in a habitat friendly manner and specific provisions in this regard shall be incorporated in the Zonal Master Plan and till such time as the Zonal Master plan is prepared and approved by the competent authority in the Union Territory Government,

the Monitoring Committee shall monitor compliance of vehicular movement under the relevant Acts and the rules and regulations made thereunder.

(15) **Vehicular pollution.**—Prevention and control of vehicular pollution shall be in compliance with applicable laws and efforts shall be made for use of cleaner fuels.

(16) **Industrial units.**— (a) On or after the publication of this notification in the Official Gazette, no new polluting industries shall be permitted to be set up within the Eco-sensitive Zone.

(b) Only non-polluting industries shall be allowed within Eco-sensitive Zone as per the classification of Industries in the guidelines issued by the Central Pollution Control Board in February, 2016, unless so specified in this notification, and in addition, the non-polluting cottage industries shall be promoted.

(17) **Protection of hill slopes.**— The protection of hill slopes shall be as under:-

(a) the Zonal Master Plan shall indicate areas on hill slopes where no construction shall be permitted;

(b) construction on existing steep hill slopes or slopes with a high degree of erosion shall not be permitted.

4. **List of activities prohibited or to be regulated within Eco-sensitive Zone.**— All activities in the Eco-sensitive Zone shall be governed by the provisions of the Environment (Protection) Act, 1986 and the rules made there under including the Coastal Regulation Zone, 2011 and the Environmental Impact Assessment Notification, 2006 and other applicable laws including the Forest (Conservation) Act, 1980 (69 of 1980), the Indian Forest Act, 1927 (16 of 1927), the Wildlife (Protection) Act 1972 (53 of 1972) and amendments made thereto and be regulated in the manner specified in the Table below, namely:-

TABLE

S. No.	Activity	Description
A. Prohibited Activities		
1.	Commercial mining, stone quarrying and crushing units.	(a) All new and existing mining (minor and major minerals), stone quarrying and crushing units shall be prohibited with immediate effect except for meeting the domestic needs of bona fide local residents including digging of earth for construction or repair of houses within Eco-Sensitive Zone; (b) The mining operations shall be carried out in accordance with the order of the Hon'ble Supreme Court dated the 4 th August, 2006 in the matter of T.N. Godavarman Thirumulpad Vs. UOI in W.P.(C) No.202 of 1995 and dated the 21 st April, 2014 in the matter of Goa Foundation Vs. UOI in W.P.(C) No.435 of 2012.
2.	Setting of industries causing pollution (Water, Air, Soil, Noise, etc.).	New industries and expansion of existing polluting industries in the Eco-sensitive Zone shall not be permitted: Provided that, non-polluting industries shall be allowed within Eco-Sensitive Zone as per classification of Industries in the guidelines issued by the Central Pollution Control Board in February, 2016, unless so specified in this notification and in addition, the non-polluting cottage industries shall be promoted.
3.	Establishment of major hydroelectric project.	Prohibited.
4.	Use or production or processing of any hazardous substance.	Prohibited.
5.	Discharge of untreated effluents in natural water bodies or land area.	Prohibited.

6.	Setting up of new saw mills.	New or expansion of existing saw mills shall not be permitted within the Eco-sensitive Zone.
7.	Setting up of brick kilns.	Prohibited.
8.	Use of polythene bags.	Prohibited.
9.	Commercial use of firewood	Prohibited.
10.	Commercial establishment of hotels and resorts.	Prohibited.
11.	Construction activities.	Prohibited.
12.	Small scale no-polluting industries.	Prohibited.
13.	Felling of trees.	Prohibited.
14.	Commercial extraction of surface and ground water.	Prohibited.
15.	Introduction of Exotic species.	Prohibited.
16.	Practice river aquaculture and fishing by the help of mechanized boats in large scale commercial manner.	Prohibited.
B. Regulated Activities		
17.	Erection of electrical and communication towers and laying of cables and other infrastructures.	Regulated under applicable laws of underground cabling may be promoted.
18.	Infrastructure including civic amenities.	Taking measures of mitigation, as per applicable laws, rules and regulation and available guidelines.
19.	Widening and strengthening of existing roads and construction of new roads.	Taking measures of mitigation, as per applicable laws, rules and regulation and available guidelines.
20.	Undertaking other activities related to tourism like over flying over the Eco-sensitive Zone area by hot air balloon, helicopter, drones, Microlites, etc.	Regulated as per the applicable laws.
21.	Movement of vehicular traffic at night.	Regulated for commercial purpose under applicable laws.
22.	Ongoing agriculture and horticulture practices by local communities along with dairies, dairy farming, aquaculture and fisheries.	Permitted as per the applicable laws for use of locals.
23.	Discharge of treated waste water/effluents in natural water bodies or land area.	The discharge of treated waste water or effluents shall be avoided to enter into the water bodies and efforts shall be made for recycle and reuse of treated waste water. Otherwise the discharge of treated waste water/effluent shall be regulated as per the applicable laws.
24.	Establishment of large-scale commercial livestock and poultry farms by firms, corporate and companies.	Regulated (except as otherwise provided) as per applicable laws except for meeting local needs.

25.	Open Well, Bore Well, etc. for agriculture or other usage.	Regulated and the activity should be strictly monitored by the appropriate authority.
26.	Solid Waste Management.	Regulated as per the applicable laws.
27.	Eco-tourism.	Regulated as per the applicable laws.
28.	Commercial Sign boards and hoardings.	Regulated as per the applicable laws.
29.	Traditional fishing practices	Regulated as per the applicable laws.
C. Promoted Activities		
30.	Collection of Forest Produce or Non-Timber Forest Produce.	Permitted for meeting the bonafide requirement of the PVTG (Shompen) & Nicobarese as provided in the Andaman and Nicobar (Protection of Aboriginal Tribes) Regulation, 1956.
31.	Protection of Hill Slopes and river banks.	Should be encouraged to the extent possible without affecting the livelihood of PVTG (Shompens).
32.	Agriculture and Horticulture practices by PVTG and Nicobarese.	Promoted for meeting their subsistence requirement.
33.	Rain water harvesting.	Shall be actively promoted.
34.	Organic farming.	Shall be actively promoted.
35.	Adoption of green technology for all activities.	Shall be actively promoted.
36.	Cottage industries including village artisans, etc.	Shall be actively promoted.
37.	Use of renewable energy and fuels.	Bio-gas, solar light etc. shall be actively promoted.
38.	Agro-Forestry.	Shall be actively promoted.
39.	Plantation of Horticulture and Herbals.	Shall be actively promoted.
40.	Use of eco-friendly transport.	Shall be actively promoted.
41.	Skill Development.	Shall be actively promoted.
42.	Restoration of Degraded Land/ Forests/ Habitat.	Shall be actively promoted.
43.	Environmental Awareness.	Shall be actively promoted.

5. Monitoring Committee.- For effective monitoring of the provisions of this notification under sub-section (3) of section 3 of the Environment (Protection) Act, 1986, the Central Government hereby constitutes a Monitoring Committee, comprising of the following, namely: -

S. No.	Constituent of the Monitoring Committee	Designation
1.	Deputy Commissioner, Nicobar District	Chairman;
2.	Member, Zilla Parishad, Campbell Bay	Member;
3.	Executive Engineer, Andaman Public Works Department, Campbell Bay	Member;
4.	Director, Department of Agriculture or representative,	Member;
5.	Director, Fisheries or representative	Member;
6.	Senior Veterinary Officer, Campbell Bay	Member;

7.	One representative of Non-governmental Organization working in the field of Environment (including heritage conservation) to be nominated by the Union Territory Government for three years	Member;
8.	One expert in environment/ecology/wildlife from a reputed Institution to be nominated by Union Territory Government	Member;
9.	Representative of A&N Islands Biodiversity Council	Member;
10.	Divisional Forest Officer, Nicobar Division	Member – Secretary

6. Terms of Reference. – (1) The Monitoring Committee shall monitor the compliance of the provisions of this notification.

(2) The tenure of the Monitoring committee shall be for three years or till the re-constitution of the new Committee by the Union Territory Government and subsequently the Monitoring Committee shall be constituted by the Union Territory Government.

(3) The activities that are covered in the Schedule to the notification of the Government of India in the erstwhile Ministry of Environment and Forests number S.O. 1533 (E), dated the 14th September, 2006, and are falling in the Eco-sensitive Zone, except for the prohibited activities as specified in the Table under paragraph 4 thereof, shall be scrutinized by the Monitoring Committee based on the actual site-specific conditions and referred to the Central Government in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change for prior environmental clearances under the provisions of the said notification.

(4) The activities that are not covered in the Schedule to the notification of the Government of India in the erstwhile Ministry of Environment and Forests number S.O. 1533 (E), dated the 14th September, 2006 and are falling in the Eco-sensitive Zone, except for the prohibited activities as specified in the Table under paragraph 4 thereof, shall be scrutinised by the Monitoring Committee based on the actual site-specific conditions and referred to the concerned regulatory authorities.

(5) The Member-Secretary of the Monitoring Committee or the concerned Deputy Commissioner(s) shall be competent to file complaints under section 19 of the Environment Act against any person who contravenes the provisions of this notification.

(6) The Monitoring Committee may invite representatives or experts from concerned Departments, representatives from industry associations or concerned stakeholders to assist in its deliberations depending on the requirements on issue to issue basis.

(7) The Monitoring Committee shall submit the annual action taken report of its activities as on the 31st March of every year by the 30th June of that year to the Chief Wildlife Warden in the Union Territory as per proforma given in Annexure IV.

(8) The Central Government in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change may give such directions, as it deems fit, to the Monitoring Committee for effective discharge of its functions.

7. The Central Government and Union Territory Government may specify additional measures, if any, for giving effect to provisions of this notification.

8. The provisions of this notification are subject to the orders, if any passed or to be passed by the Hon'ble Supreme Court of India or the High Court or the National Green Tribunal.

[F.No. 25/16/2020-ESZ]

Dr. SATISH C. GARKOTI, Scientist 'G'

ANNEXURE I

A. BOUNDARY DESCRIPTION OF GALATHEA NATIONAL PARK AND ECO-SENSITIVE ZONE

EAST- The Eco Sensitive Zone boundary of Galathea National Park starts from a **point 1** (6° 59' 33.429" N & 93° 52' 8.570" E) moves towards East direction upto the **point A2** (6° 59' 40.690" N & 93° 52' 23.157" E) near Magar nallah 0.5 km away from the boundary of the National Park. Then proceeds towards south direction upto **point A5** (6° 55' 53.257" N & 93° 52' 13.565" E) near Dhillon nallah through the **point A3** (6° 58' 52.401" N & 93° 52' 36.066" E) & **A4** (6° 57' 24.953" N & 93° 51' 43.686" E) maintaining a distance of 0.5 kilometre from the Eastern boundary of the National Park. Then the boundary moves towards South-West direction and meets the boundary of Galathea National Park at **point 3** (6° 55' 36.340" N & 93° 52' 4.623" E) and follows the boundary of Galathea National Park upto **point 5** (6° 50' 16.834" N & 93° 52' 22.608" E).

SOUTH- From **point 5** (6° 50' 16.834" N & 93° 52' 22.608" E), the boundary moves towards South-West direction upto a **point 6** (6° 50' 52.594" N & 93° 49' 18.952" E) following the boundary of Galathea National Park.

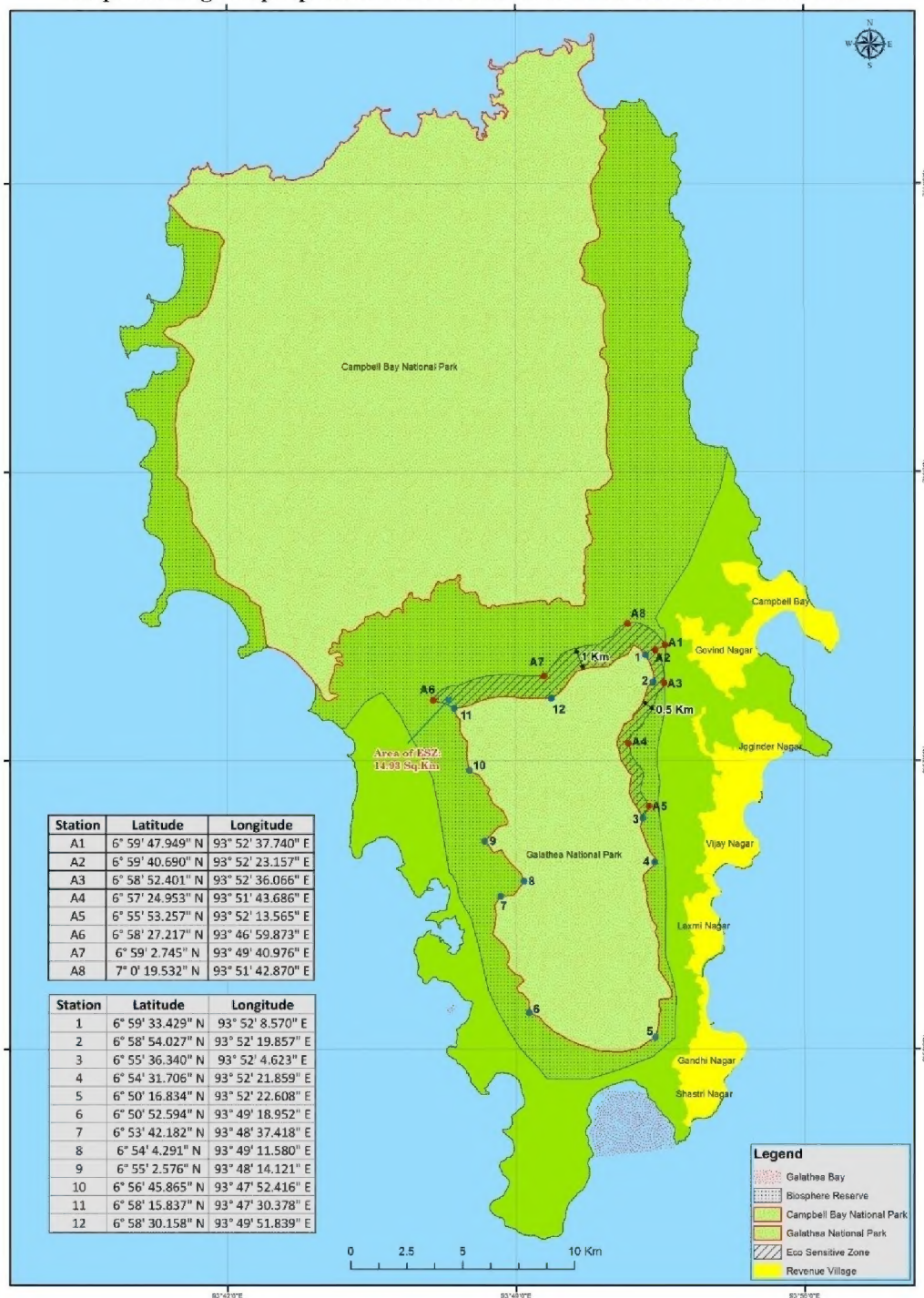
WEST:- From the **point 6** (6° 50' 52.594" N & 93° 49' 18.952" E)), the boundary moves towards North direction upto the **point 11** (6° 58' 15.837" N & 93° 47' 30.378" E) through the **point 7** (6° 53' 42.182" N & 93° 48' 37.418" E), **point 8** (6° 54' 4.291" N & 93° 49' 11.580" E), **point 9** (6° 55' 2.576" N & 93° 48' 14.121" E) & **point 10** (6° 56' 45.865" N & 93° 47' 52.416" E) following the boundary of Galathea National Park.

NORTH: From the **point 11** (6° 58' 15.837" N & 93° 47' 30.378" E) the boundary then moves towards North-West direction upto the **point A6** (6° 58' 27.217" N & 93° 46' 58.873" E) at a distance of 1.00 km from the boundary of Galathea National Park then moves towards East direction upto the **point A1** (6° 59' 47.949" N & 93° 52' 37.740" E) passing through the **point A7** (6° 59' 2.745" N & 93° 49' 40.976" E) and **point A8** (7° 0' 19.532" N & 93° 51' 42.870" E) maintaining an uniform distance of one kilometre from the boundary of the National Park. The boundary then moves towards West direction and meets at **point A2** (6° 59' 40.690" N & 93° 52' 23.157" E).

ANNEXURE II A

MAP OF ECO-SENSITIVE ZONE OF GALATHEA NATIONAL PARK ALONG WITH GEO-COORDINATES

Map showing the proposed Eco-Sensitive Zone of Galathea National Park



ANNEXURE II B

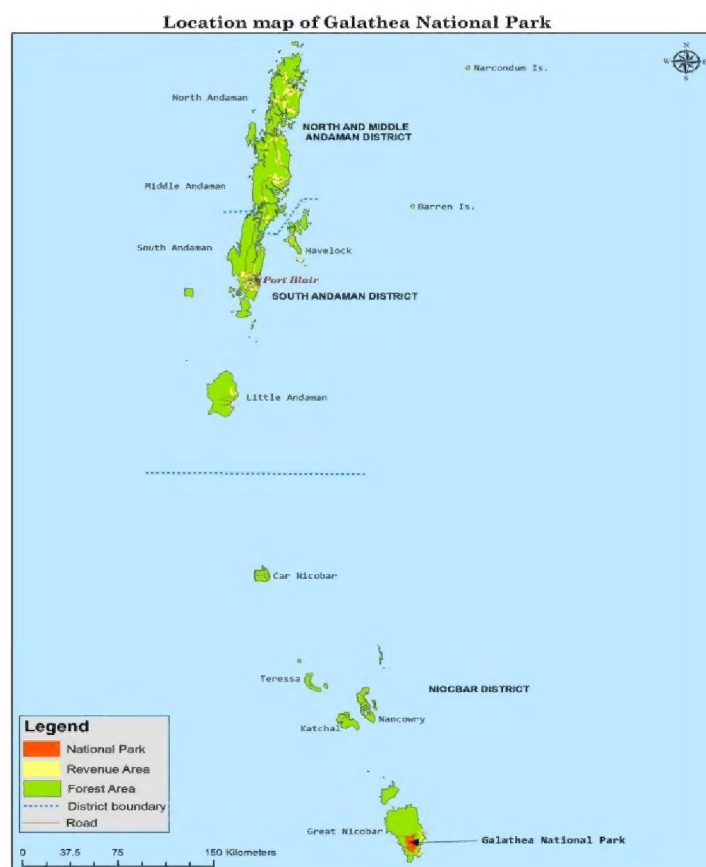
SATELLITE IMAGE OF GALATHEA NATIONAL PARK AND ITS ECO-SENSITIVE ZONE

Map showing the proposed Eco-Sensitive Zone of Galathea National Park



ANNEXURE II C

LOCATION MAP OF GALATHEA NATIONAL PARK AND ITS ECO-SENSITIVE ZONE



ANNEXURE - III

TABLE A: Geo-coordinates of prominent locations along the boundary of Galathea National Park shown on map

S. No	Station	Latitude	Longitude
1.	1	6° 59' 33.429" N	93° 52' 8.570" E
2.	2	6° 58' 54.027" N	93° 52' 19.857" E
3.	3	6° 55' 36.340" N	93° 52' 4.623" E
4.	4	6° 54' 31.706" N	93° 52' 21.859" E
5.	5	6° 50' 16.834" N	93° 52' 22.608" E
6.	6	6° 50' 52.594" N	93° 49' 18.952" E
7.	7	6° 53' 42.182" N	93° 48' 37.418" E
8.	8	6° 54' 4.291" N	93° 49' 11.580" E
9.	9	6° 55' 2.576" N	93° 48' 14.121" E
10.	10	6° 56' 45.865" N	93° 47' 52.416" E
11.	11	6° 58' 15.837" N	93° 47' 30.378" E
12.	12	6° 58' 30.158" N	93° 49' 51.839" E

Table B: Geo-coordinates of prominent locations along the boundary of Eco-sensitive Zone of Galathea National Park shown on map

S.No	Station	Latitude	Longitude
1.	A1	6° 59' 47.949" N	93° 52' 37.740" E
2.	A2	6° 59' 40.690" N	93° 52' 23.157" E
3.	A3	6° 58' 52.401" N	93° 52' 36.066" E
4.	A4	6° 57' 24.953" N	93° 51' 43.686" E
5.	A5	6° 55' 53.257" N	93° 52' 13.565" E
6.	A6	6° 58' 27.217" N	93° 46' 59.873" E
7.	A7	6° 59' 2.745" N	93° 49' 40.976" E
8.	A8	7° 0' 19.532" N	93° 51' 42.870" E

ANNEXURE - IV**Proforma of Action Taken Report: - Eco-sensitive Zone Monitoring Committee. -**

1. Number and date of meetings.
2. Minutes of the meetings: (mention noteworthy points. Attach minutes of the meeting as separate annexure).
3. Status of preparation of Zonal Master Plan including Tourism Master Plan.
4. Summary of cases dealt with rectification of error apparent on face of land record (Eco-sensitive Zone wise). Details may be attached as Annexure.
5. Summary of cases scrutinized for activities covered under the Environment Impact Assessment notification, 2006. (Details may be attached as separate Annexure)
6. Summary of cases scrutinized for activities not covered under the Environment Impact Assessment notification, 2006. (Details may be attached as separate Annexure)
7. Summary of complaints lodged under section 19 of the Environment (Protection) Act, 1986:
8. Any other matter of importance: